



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 310]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 27, 2016/आश्विन 5, 1938

No. 310]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 27, 2016/ASVINA 5, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2016

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय: चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित "धातु की वायर रॉड अथवा गैर-धातु स्टील" के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

सं. 14/17/2016-डीजीएड.—समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (एतदपश्चात इसे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित तत्संबंधी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्कों की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण नियमावली (एतदपश्चात पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए,

2. यतः मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि., मैसर्स राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., मैसर्स ऊषा मार्टिन लिमिटेड और मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड (एतदपश्चात इन्हें "आवेदक", अथवा "याचिकाकर्ता" अथवा "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने संयुक्त रूप से निर्दिष्ट प्राधिकारी (एतदपश्चात इन्हें प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष पाटनरोधी अधिनियम और नियमावली के अनुसार, चीन जन. गण. (एतदपश्चात इसे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहां से निर्यातित "धातु की वायर रॉड अथवा गैर-धातु स्टील" (एतदपश्चात इसे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयातों के संबंध में याचिका दाखिल की है और पाटन तथा उसके

परिणामस्वरूप क्षति का आरोप लगाते हुए एक पाटनरोधी जांच करने के लिए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

3. और यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्यास साक्ष्य के आधार पर कथित पाटन की मौजूदी, मात्रा और उसके प्रभाव का निर्धारण करने के लिए तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए यदि पाटनरोधी शुल्क, लगाया जाना पर्याप्त हो तो उसकी मात्रा की सिफारिश करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच आरंभ करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 02.06.2016 की अधिसूचना सं. 14/17/2016-डीजीएडी के तहत एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

**क. प्रक्रिया**

4. निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है :

क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार, जांच आरंभ करने की कार्रवाई शुरू करने से पूर्व आवेदन प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।

ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं/एसोसिएशनों को जांच शुरू करने की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उनसे यह अनुरोध किया कि वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार जांच शुरू करने की अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार प्रकट करें।

ग. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देश के दूतावास, संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार आवेदन के अगोपनीय अंश की एक प्रति भेजी। आवेदन की एक प्रति अनुरोध के अनुसार अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई।

घ. भारत में संबद्ध देश के दूतावास को भी यह अनुरोध किया गया था कि वे अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को परामर्श दें कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपने उत्तर दाखिल करें।

ङ. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए निर्यातक प्रश्नावलियां भेजी :

1. जियुक्कान आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लि.
2. हंडन आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लि.
3. लियानयुआन आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लि.
4. बाओस्टील ग्रुप कारपोरे.
5. बुहान आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कारपोरेशन
6. बेंक्सी आयरन एंड स्टील (ग्रुप) स्पेशल स्टील कं. लि.
7. लियानयुआन आयरन एंड स्टील (ग्रुप) कं. लि.
8. शाँगांग चंगझी आयरन एंड स्टील लि.
9. हंगझोऊ आयरन एंड स्टील ग्रुप कंपनी
10. अनफेंग स्टील स्ट्रक्चर मैटेरियल कं. लि.
11. तियानजिन जुबियुआन आयरन एंड स्टील ट्रेडिंग कं. लि.

च. जांच शुरू करने की अधिसूचना के उत्तर में संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों और व्यापारियों ने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर दाखिल किया है :

1. जियांगसू शगांग मैटेरियल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)
2. बीएंडएल मेटल (एचके) लिमिटेड (निर्यातक)
3. जिनाग्सू रंजोंग हाईटेक कं. लि. (उत्पादक)
4. झंगजियागांग शाजिंग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
5. झंगजियागांग होंगकिंसग गॉक्सियान कं. लि. (उत्पादक)
6. झंगजियागांग रोंगशेंग स्टील मार्केटिंग कं. लि. (उत्पादक)
7. जिनाग्सू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)
8. बी एंड एल इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट कं. लि.
9. झंगजियागांग होंगचांग गायोक्सियान कं. लि. (उत्पादक)
10. झंगजियागांग रंगझोंग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
11. किंशा इंटरनेशनल पीटीई. लि. (निर्यातक)
12. माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
13. सिनोमैटेरियल इंटरनेशनल कं. लि. (निर्यातक)
14. मनुचार स्टील हांगकांग लिमिटेड (निर्यातक)
15. बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड (निर्यातक)
16. जियांगसू योंगांग ग्रुप कं. लि. (उत्पादक)
17. जेनसिस रिसोर्सेस कं. लि. (हांग कांग)
18. स्मार्ट टाइमिंग स्टील लिमिटेड (निर्यातक)
19. टॉपटिप होल्डिंग पीटीई. लि. (निर्यातक)
20. जेनिथ स्टील ग्रुप कं. लि. (उत्पादक)
21. हंगझोऊ कोजनरेशन (हांग कांग) कं. लिमिटेड (उत्पादक)
22. उनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी (निर्यातक)
23. विन फेथ ट्रेडिंग लिमिटेड (निर्यातक)
24. बैंक्सी आयरन एंड स्टील हांग कांग लिमिटेड (निर्यातक)
25. बैंक्सी बीइंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इम्प. एंड एक्सपो. कारपो. लि. (निर्यातक)
26. बैंक्सी बीताई गाओसू स्टील वायर रॉड कं. लि. (उत्पादक)
27. फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लिमिटेड (निर्यातक)
28. जियांगिन जिंगचेंग एलॉय मैटेरियल कं. लि. (उत्पादक)
29. जियांगिन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.

छ. इसके अलावा निम्नलिखित नियर्तकों/व्यापारियों ने पूरा प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने की बजाए केवल परिशिष्ट - 2 और परिशिष्ट 3 - क दाखिल किया है।

1. हांग कांग ग्रांड इंटरनेशनल कं. लि.
2. हियोसंग कारपोरेशन
3. स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड
4. स्टीलफोर्स फार ईस्ट लि.
5. टाटा इंटरनेशनल मेटल्स (एशिया) लिमिटेड
6. यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी (अलग से दाखिल की गई)

ज. चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/नियर्तक ने वर्तमान जांच में गैर- बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का खंडन करते हुए बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) का दावा नहीं किया है।

झ. भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं को पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए प्रश्नावली भेजी गई थी :

1. ए. ए. इंटरनेशनल
2. अग्रवाल इम्पैक्स
3. डी. पी. वायर्स प्रा. लि.
4. गर्ग इनोक्स लि.
5. एच.डी. वायर्स प्रा. लि.
6. इंडियन वायर एंड स्टील प्रोडक्ट्स
7. जे. एस. इंडस्ट्रीज प्रा. लि.
8. कादिमी स्पेशल स्टील्स प्रा. लि.
9. लक्ष्मी कार्ड क्लोथिंग कं. प्रा. लि.
10. मकालू ट्रेडिंग लि.
11. निर्मल वायर्स प्रा. लि.
12. ओसियनिक ओवरसीज
13. पंकज स्टील कारपोरेशन
14. आर. के. स्टील्स
15. स्टर्लिंग टूल्स लि.
16. ट्रांसनेशनल
17. उदय इंडस्ट्रीज
18. वी. एन. सी. इलैक्ट्रोइंस

19. विधी इमैक्स
20. वेल्डवेल इलैक्ट्रोड्स
21. यतिन स्टील्स इंडिया प्रा. लि.
22. जरहक स्टील्स लि.

ज. संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित आयातकों/उपयोक्ताओं ने प्रश्नावली उत्तर के रूप में उत्तर दिया है :

1. अपार इंडस्ट्रीज लिमिटेड
2. राजरत्न ग्लोबल वायर लि.
3. नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड
4. इंडियन वायर एंड स्टील प्रोडक्ट्स
5. एफएजी बियरिंग्स इंडिया लिमिटेड

ट. इसके अलावा, निम्नलिखित पक्षकारों ने जांच करने संबंधी अधिसूचना पर अनुरोध/टिप्पणियां दाखिल की हैं :

1. नेशनल इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड
  2. बाल एंड रोलर बियरिंग मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया
  3. स्टील वायर मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसडब्ल्यूएमएआई)
  4. जियांगिन किंचेंग एलॉय मैटेरियल कं. लि. तथा जियांगिन किंचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.
  5. फैग बियरिंग्स इंडिया लिमिटेड
- ठ. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय अंश उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए अनुरोध संगत पाए जाने तक वर्तमान जांच परिणाम में शामिल किए गए हैं।
- ड. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की प्राधिकारी द्वारा उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करें।
- ढ. आवेदकों और हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यकता के अनुसार आगे की जानकारी की मांग की गई थी।
- ण. जब भी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच की अवधि के दौरान आवश्यक सूचना सुलभ करने से इंकार किया है अथवा अन्यथा आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में रुकावट उत्पन्न की है, प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- त. सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और संबद्ध वस्तुओं के निर्माण व बिक्री की लागत के आधार पर गैर-क्षतिकारी कीमत (एतद्पश्चात इसे "एनआईपी" कहा गया है) की गणना की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

- थ. इस तथ्य पर विचार करते हुए कि संबद्ध वस्तुएं विभिन्न ग्रेडों (धातु अथवा गैर-धातु आदि)/आकारों/माप में आयातित की जा रही हैं, आवेदकों ने उत्पाद नियन्त्रण संचया (पीसीएन) का भी प्रस्ताव किया है ताकि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए पीसीएन से पीसीएन की तुलना की जा सके। तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने पीसीएन तुलना को अंगीकार नहीं किया है।
- द. प्राधिकारी द्वारा जितना आवश्यक समझा गया, आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना का सत्यापन किया गया है। केवल ऐसी सत्यापित सूचना आवश्यक सुधार के साथ, जहां कहीं लागू है, वर्तमान प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए भरोसा किया है।
- ध. दिनांक 01 जुलाई, 2015 से 31 दिसंबर, 2015 तक (6 माह) तक की अवधि (एतद्पश्चात इसे "जांच की अवधि" अथवा "पीओआई" कहा गया है) के लिए जांच की गई थी। क्षति विश्लेषण के प्रसंग में प्रवृत्तियों की जांच में 2012-13, 2013-14, 2014-15, अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2016 और जांच की अवधि शामिल है।
- न. याचिकाकर्ताओं ने आईबीआईएस से प्राप्त किए गए सौदे-वार आयात संबंधी आयातों पर भरोसा करते हुए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन का आरोप लगाते हुए याचिका प्रस्तुत की थी। तथापि, जांच की अवधि सहित विगत तीन वर्षों के संबद्ध वस्तुओं के आयातों का सौदा-वार व्यौरा प्रदान करने के लिए वाणिज्यिक सूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम में वाणिज्यिक सूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) पर भरोसा किया है और उसे सार्वजनिक फाइल में रखा गया है।
- प. जांच की अवधि के दौरान विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों और प्रदान की गई सूचना के साथ आवश्यकता के अनुसार और वर्तमान जांच में संगत पाए गए अनुसार समर्थन में साक्ष्य प्रदान किए हैं, उन पर प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जांच में समुचित विचार किया गया है।
- फ. जांच अवधि के लिए यूएस डॉलर से भारतीय रुपए में परिवर्तन के लिए विनिमय दर सीमाशुल्क आंकड़ों के अनुसार 1 यूएस डॉलर = 65.93 रुपए मानी गई है।
- ब. इस अधिसूचना में \*\*\* हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की परिचायक है और प्राधिकारी द्वारा उसे नियमों के अंतर्गत माना गया है।
- ख. **विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**
5. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद आयरन अथवा गैर-धातु स्टील अथवा धातु स्टील के हॉट रोल्ड, अनियमित वाउंड कॉइल बार और रॉड है (जिसे सामान्यतः "वायर रॉड" के रूप में जाना जाता है)। ये उत्पादन प्राइम और नॉन-प्राइम श्रेणी के हैं और सभी आकारों में हैं। ये उत्पाद स्टील की विभिन्न गुणवत्ताओं के अनुरूप हैं। लेकिन इनमें इलैक्ट्रोड, फ्री कटिंग, फॉर्जिंग, कोल्ड हैडिंग, कम/मध्यम/उच्च कार्बन स्टील, ड्राइंग, बाल वियरिंग स्टील, केस हार्डनिंग स्टील, स्प्रिंग स्टील, जंगरोधी स्टील, वेदरिंग स्टील और कई अन्य गुणवत्ताओं के स्टील शामिल हैं लेकिन यह केवल इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।
6. विचार उत्पाद के दायरे में निम्नलिखित उत्पाद शामिल नहीं हैं:
- (i) बार और रॉड, जिनमें खंरोच, रिब्स, खांचे अथवा रोलिंग प्रक्रिया के दौरान उत्पादित हुए अन्य विकृति के उत्पाद शामिल हैं जो टैरिफ मद 72131090 (जिसे सामान्यतः रिबार और टीएमटी बार के रूप में जाना जाता है) के अंतर्गत आते हैं।
  - (ii) स्टेनलैस स्टील के बार व रॉड, जो टैरिफ मद 7221 में आते हैं।
  - (iii) हाई स्पीड स्टील की बार और रॉड, जो टैरिफ मद 72271000 के अंतर्गत है।
7. विचाराधीन उत्पाद का उपयोग कई अनुप्रयोगों और ऐसे क्षेत्रों जैसे कसने वाले नट और बोल्ट, कीलें, निर्माण उद्योग के लिए बाइंडिंग की तारें, वेलिंग इलैक्ट्रोड, रेलवे स्लीपर, स्प्रिंग, ऑटोमेटिव घटक, तार की जाली, सामान्य इंजीनियरी, आर्म्ड केबल इत्यादि के लिए किया जाता है।

8. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षक 7213 और 7227 के तहत आते हैं। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इसकी वर्तमान जांच के दायरे पर कोई बाध्यता नहीं है।  
निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध
9. निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किए गए अनुरोध और जो प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए, इस प्रकार है:
- क. आवेदकों द्वारा किसी भी "समान वस्तु" का उत्पादन नहीं किया जा रहा है। घरेलू उद्योग उच्च गुणवत्ता के "बियरिंग" का उत्पादन करने के लिए शामिल किए जाने हेतु अपेक्षित कुछेक गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करने में समर्थ नहीं हैं। यद्यपि घरेलू स्टील उत्पादक ऑक्सीजन स्तर <10 पीपीएम वाले स्टील का उत्पादन करने में समर्थ है, लेकिन वे ऐसी अपेक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ नहीं हैं, जहां पर कि स्टील में ऑक्सीजन का स्तर 6-8 पीपीए से कम रखा जाना हो।
  - ख. भारत में "बियरिंग ग्रेड वायर/वायर रॉड" का केवल एक ही निर्माता नामतः मुकुंद लि. है। यहां तक कि मुकुंद लि. भी उत्पाद की मांग को पूरा करने के लिए सक्षम नहीं है। इसके अलावा, मुकुंद लि. भी पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध करने वाला एक हितबद्ध पक्षकार नहीं है। इस जांच के दायरे से एचएस कोड 72283019, 72283029, 72299090, 72279030, 72279040 और 72279090 को अलग किया जाना चाहिए। "बियरिंग ग्रेड" को संबद्ध जांच के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए और भारतीय एचएस वर्गीकरण 7227, 72279030, 72279040 और 72279090 के तहत आने वाले "बियरिंग ग्रेड बार और वायरिंग रॉड" के आयातों पर शुल्क लगाने की सिफारिश नहीं की जानी चाहिए।
  - ग. यह अनुरोध किया जाता है कि टैरिफ शीर्षक 7213/7214 के वायर रॉड और टैरिफ शीर्षक 7227/7228 के बार की निर्माण प्रक्रिया अलग है और इनमें अलग-अलग मशीनरी सेट की आवश्यकता होती है। अतः 7214 और 7228 समान वस्तु नहीं हैं और इसीलिए इस जांच के दायरे से बाहर हैं।
  - घ. परिभाषित किया गया विचाराधीन उत्पाद अत्यधिक अस्पष्ट, विस्तृत और अनियत है। इसमें सभी प्रकार के वायर रॉड आकार शामिल हैं, जिसमें ऐसे आकार भी शामिल हैं, जो घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित नहीं किए जाते। उत्पाद ब्रॉशर के अनुसार जेएसडब्ल्यू 22 मि.मी. तक के माप के आकार के बियरिंग स्टील को छोड़कर अन्य वायर रॉड का निर्माण करने में सक्षम नहीं है। आरआईएनएल 14 मि.मी. से अधिक के आकार के वायर रॉड का निर्माण करने में सक्षम नहीं है। विचाराधीन उत्पाद का दायरा 14 मि.मी. माप तक के आकार तक सीमित होना चाहिए न कि सभी आकार के लिए।
  - इ. 100सीआर6 ग्रेड के धातु स्टील बार, जो एसएई 52100 ग्रेड के समकक्ष है, का उत्पादन आवेदकों द्वारा नहीं किया जाता और उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता।

### घरेलू उद्योग द्वारा किया गया अनुरोध

10. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत माने गए अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके पास निर्माण करने की क्षमता है और टैरिफ मद 72279030 के तहत आने वाले वायर रॉड बाल बियरिंग और टैरिफ मद 72279041 के तहत आने वाले कोल्ड हैंडिंग ब्लालिटी के वायर रॉड का निर्माण कर रहे हैं। इसीलिए इन ग्रेडों को बाहर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के दावे उचित नहीं हैं।
  - ख. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वर्तमान आवेदक सीमाशुल्क टैरिफ के अंतर्गत टैरिफ शीर्ष 7213 और 7227 के तहत आने वाले कॉयल रूप में वायर रॉड से संबंधित है। इसीलिए टैरिफ शीर्ष 7214 और 7228 के तहत आने वाले बार और रॉड को बाहर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के दावे का कोई अर्थ नहीं है।
  - ग. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि टैरिफ शीर्ष मद 72279090 के तहत आने वाले वायर रॉड को बाहर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के दावे को तब तक नहीं माना जा सकता जब तक कि हितबद्ध पक्षकार उस वास्तविक ग्रेड

को स्पष्ट नहीं कर देते, जिसके लिए इन्हें दायरे से बाहर करना अपेक्षित है। टैरिफ मद 72279090 अवशिष्ट शीर्ष ("अन्य") है और इसके विस्तार क्षेत्र के अंदर व्यापक रेंज के उत्पाद आते हैं।

- घ. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि टैरिफ मद 72299090 के तहत आने वाले उत्पादों को बाहर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के दावे का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि टैरिफ शीर्ष 7229 का संबंध "अन्य धातु स्टील के वायर" से है। वर्तमान आवेदन वायर रॉड से संबंधित है न कि वायर से।
- इ. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे को 14 मिमी. व्यास तक सीमित करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के दावे का कोई मतलब नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग के पास, यदि उन्हें आदेश प्राप्त होते हैं तो आदेश मिलते ही 14 मि.मी. व्यास से अधिक की संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने की क्षमता है। वास्तव में हितबद्ध पक्षकार यह प्रदर्शित करने में विफल रहे हैं कि उन्हें 14 मि.मी. से अधिक के व्यास के विचाराधीन उत्पाद की जरूरत है और यह कि उन्होंने घरेलू उद्योग के पास अधिक व्यास के आदेश भेजे हैं लेकिन घरेलू उद्योग उसकी आपूर्ति करने में विफल रहा है। हितबद्ध पक्षकारों से ऐसी सूचना प्राप्त न होने पर 14 मि.मी. तक के व्यास वाले विचाराधीन उत्पाद के दायरे को सीमित करने का कोई आकार नहीं बनता।
- ज. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके पास निर्माण करने की क्षमता है और वे 6-8 पीपीएम से कम के ऑक्सीजन स्तर वाले वायर रॉड का निर्माण कर रहे हैं।
- छ. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि उनके पास निर्माण करने की क्षमता है और वे 100सीआर6 ग्रेड की धातु स्टील के वायर रॉड का निर्माण कर रहे हैं :

### प्राधिकारी द्वारा जांच

11. हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद से संबंधित मामलों के संबंध में प्रस्तुत किए गए अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच की है और उन पर इस प्रकार से विचार किया है।
12. कठिनय उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के मत के संबंध में प्राधिकारी अनंतिम रूप से निम्नलिखित कारणों से हितबद्ध पक्षकारों के दावों को स्वीकार करने में असमर्थ है:
  - (i) घरेलू उद्योग के पास निर्माण करने की क्षमता है और वह टैरिफ मद 72279030 के तहत आने वाले बाल वियरिंग गुणवत्ता के वायर रॉड और टैरिफ मद 72279040 के तहत आने वाले कोल्ड हैडिंग गुणवत्ता के वायर रॉड का निर्माण कर रहा है।
  - (ii) वर्तमान आवेदन सीमाशुल्क टैरिफ के टैरिफ शीर्षक 7213 और 7227 के तहत आने वाले कॉयल रूप में वायर रॉड के संबंध में है। वर्तमान आवेदन टैरिफ शीर्ष 7214 और 7228 के तहत आने वाले सीधी लम्बाई के बार और रॉड शामिल नहीं होते।
  - (iii) टैरिफ मद 72279090 अवशिष्ट शीर्ष ("अन्य") है और इसमें इसके क्षेत्राधिकार के तहत उत्पादों की व्यापक रेंज शामिल है। टैरिफ मद 72279090 के तहत आने वाले वायर रॉड को बाहर निकालने के लिए हितबद्ध पक्षकारों का दावा तब तक नहीं माना जा सकता जब तक कि हितबद्ध पक्षकार उनके उस वास्तविक ग्रेड को स्पष्ट न करे, जिसे बाहर किए जाने की जरूरत है।
  - (iv) हितबद्ध पक्षकारों का टैरिफ मद 72299090 के तहत आने वाले उत्पादों को बाहर करने के लिए किए गए दावों का कोई मतलब नहीं है क्योंकि टैरिफ शीर्ष 7229 "अन्य धातु स्टील के वायर" से संबंधित है।
  - (v) हितबद्ध पक्षकारों का 14 मि.मी. तक के व्यास वाले विचाराधीन उत्पाद के दायरे को सीमित करने के लिए किया गया दावा माना नहीं जा सकता क्योंकि घरेलू उद्योग के पास 14 मि.मी. से अधिक तक के व्यास वाली संबद्ध वस्तुओं का निर्माण करने की क्षमता है। हितबद्ध पक्षकार यह दर्शनी के लिए विफल रहे कि उन्होंने घरेलू उद्योग के पास अधिक व्यास की वस्तुओं के लिए आदेश भेजे हैं और घरेलू उद्योग उसकी आपूर्ति करने में विफल रहा।

- (vi) घरेलू उद्योग के पास निर्माण करने की क्षमता है और वह 6-8 पीपीएम से कम के ऑक्सीजन स्तर के वायर रॉड का निर्माण कर रहा है।
- (vii) घरेलू उद्योग के पास निर्माण करने की क्षमता है और वह 100सीआर6 ग्रेड के धातु स्टील की वायर रॉड का निर्माण कर रहा है।
13. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विचाराधीन उत्पाद काफी व्यापक और असपष्ट है, प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि विचाराधीन उत्पाद को संबद्ध देश से आयातों और घरेलू उद्योग की उत्पादन आपूर्ति की स्थिति को देखते हुए समुचित रूप से परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने उत्पाद के दायरे तक पहुँचने से पूर्व सभी पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों की पूरी तरह जांच की है।
14. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह प्रावधान है कि: “समान वस्तु” से ऐसी वस्तु अभिप्रेत है जो भारत में पाटन किए जाने के कारण की जा रही जांच के अंतर्गत वस्तु से हर प्रकार से समरूप या समान है अथवा ऐसी वस्तु के न होने पर अन्य वस्तु जो कि यद्यपि सभी प्रकार से समनुरूप नहीं है परंतु जांचाधीन वस्तुओं के अत्यधिक सदृश विशेषताएं रखती हैं। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के आधार पर और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध पर विचार करते हुए, प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह पाया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं और संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। दोनों ही वास्तविक गुणों, निर्माण प्रक्रिया, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय है। दोनों ही तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापित की जा सकती है। एक-दूसरे का स्थान ले सकती हैं। प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह पाया है कि आवेदकों द्वारा उत्पादित उत्पादों में संबद्ध देश से भारत में आयातित की जा रही संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु शामिल है।
- ग. घरेलू उद्योग का दायरा और आधार
- निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध:
15. निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग के आधार से संबंधित मामले के संबंध में किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. आवेदक उत्पादक का कुल घरेलू उत्पादन में केवल 40% भाग है और वह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (घ) की अपेक्षा को पूरा नहीं करता। प्राधिकारी को केंद्रीय उत्पाद आयुक्त कार्यालय से अन्य उत्पादकों के उत्पादन के संबंध में सूचना प्राप्त करनी चाहिए। कुल उत्पादन का 40% भाग नियम 2 (घ) की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता। 40% घरेलू उत्पादन के आधार पर क्षति की जांच होने से क्षति की स्पष्ट तस्वीर प्राप्त नहीं हो सकती और प्राधिकारी को कम से कम 50% भाग करने के लिए अधिक उत्पादकों को आमंत्रित करने पर विचार करना चाहिए।
- ख. दो समर्थक अर्थात टाटा स्टील लि. और जिंदल स्टील एंड पावर लि. ने आवेदन का समर्थन किया है लेकिन उपरोक्त समर्थकों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में सूचना के बारे में कोई प्रकटीकरण नहीं किया गया है। ये समर्थन पत्र आवेदन दाखिल करने से पहले दिए गए थे। नियम 5 (3) इस बात को स्पष्ट करता है कि आवेदन का कोई भी समर्थन तभी किया जा सकता है जह वह आवेदन डीजीएडी के समक्ष दाखिल किया जा चुका हो।
- ग. ऊषा मार्टिन लि. को "घरेलू उद्योग" के दायरे में शामिल नहीं किया जा सकता क्योंकि ऊषा मार्टिन आवेदन के पृष्ठ 93 के अनुसार संबद्ध वस्तुओं का एक निर्यातिक है।
- घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध**
16. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. ज्ञात आयातकों की सूची में आवेदन के पृष्ठ 93 पर मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. के नाम का उल्लेख होना मात्र एक लिपिकीय त्रुटि है। मैसर्स ऊषा मार्टिन ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है जैसा कि मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. द्वारा प्राधिकारी के समक्ष दाखिल आवेदन के साथ प्रदान किए गए प्रमाण-पत्र से स्पष्ट है।
- ख. पाटनरोधी नियमावली के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो कि यह अधिदेश प्रदान करता हो कि घरेलू उत्पादकों में कुल भारतीय उत्पादन का 50% से अधिक हिस्से में शामिल उत्पादकों को पाटनरोधी शुल्क लगाने के अनुरोध में आवश्यक रूप से भाग लेना होगा।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

17. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

"ख" "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातिकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

18. मैसर्स स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि., मैसर्स राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. और मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लि. द्वारा आवेदन दाखिल किया गया है। उपरोक्त चारों उत्पादकों के उत्पादन में कुल घरेलू उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा शामिल है। आवेदन को दो घरेलू उत्पादकों, नामतः टाटा स्टील लि. और जिंदल स्टील एंड पावर लि. द्वारा भी समर्थन किया गया है।

19. मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. के आयातों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा यह नोट किया गया है कि मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है जैसा कि मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. द्वारा प्राधिकारी के समक्ष दाखिल किए गए आवेदन के साथ प्रदान किए गए प्रमाण-पत्र से स्पष्ट है। घरेलू उत्पादक द्वारा मैसर्स ऊषा मार्टिन लि. का नाम ज्ञात आयातकों की सूची के तहत आवेदन के पृष्ठ 93 पर उल्लेख किया जाना केवल एक लिपिकीय त्रुटि है जैसा कि घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार भी किया गया है।

20. इस मामले के संबंध में कि आवेदक उत्पादकों में भारत में कुल उत्पादन का केवल 40% भाग शामिल है और यह पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के तहत अपेक्षाओं को पूरा नहीं करता, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग से तात्पर्य ऐसे घरेलू उत्पादकों से है, जिनके साझा आउटपुट में कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग शामिल है। इसमें प्रयुक्त किए गए वाक्यांश में "बड़ा भाग" है न कि "अधिकांश भाग" है। ऐसी कोई अति आवश्यकता नहीं है कि आवेदकों के पास घरेलू उत्पादन का 50% अथवा अधिक भाग होना चाहिए ताकि वह एक बड़ा भाग बन सके। ऐसे न्यायिक उदाहरण हैं जिनमें कुल उत्पादन के 50% से कम भाग होने पर नियमावली के तहत बड़ा भाग होने की अपेक्षा पूरी होती है।

21. पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के स्पष्टीकरण में यह उल्लेख किया गया है कि यदि आवेदन की ऐसे घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थन दिया हो, जिनको साझा आउटपुट में घरेलू उद्योग के उस भाग से उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन का 50% से अधिक भाग शामिल है, जिसमें आवेदन का समर्थन या विरोध, जैसा भी मामला हो, किया गया हो, तो वह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से किया गया माना जाएगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों से वर्तमान आवेदन का कोई विरोध नहीं किया गया है।

22. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि समर्थकों को मिलाकर याचिकाकर्ता का हिस्सा वायर रॉड के कुल भारतीय उत्पादन का 65% है, जो नीचे सारणी में दर्शाई गई हैं :

विवरण (भी. टन में)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015-दिसं., 2015 (क)	पीओआई (जुलाई, 2015- दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
याचिकाकर्ता						
मैसर्स राष्ट्रीय इस्पात निगम लि	***	***	***	***	***	***
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि.,	***	***	***	***	***	***
मैसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड	***	***	***	***	***	***
मैसर्स ऊषा मार्टिन लिमिटेड	***	***	***	***	***	***
याचिकाकर्ताओं का उत्पादन	1,475,041	1,609,279	1,503,065	1,780,457	903,013	1,806,025
समर्थकों का उत्पादन	1,006,800	1,037,081	1,034,350	1,102,147	556,268	1,112,536
अन्य उत्पादकों उत्पादन	1,093,862	1,571,108	1,461,719	1,603,483	781,159	1,562,317
कुल घरेलू उत्पादन	3,575,703	4,217,468	3,999,134	4,486,087	2,240,439	4,480,879
समर्थकों का हिस्सा	41%	38%	38%	40%	40%	40%
याचिकाकर्ताओं और समर्थकों का हिस्सा	69%	63%	63%	64%	65%	65%

23. अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदकों का भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में बड़ा भाग है और इस जांच के प्रयोजन के लिए आवेदक नियम 5 (3) के अनुसार अपेक्षा को पूरा करते हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

घ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मुद्दे

24. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए विविध मुद्दे इस प्रकार हैं:

क. प्राधिकारी ने एसोसिएशन सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों को उसी समय नोटिस जारी नहीं किए, जब वे इस बात से संतुष्ट हो गए थे कि जांच प्रारंभ करने के लिए स्पष्ट करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं। यह एडीए के अनुच्छेद 12.1 का उल्लंघन है। प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के प्रावधानों के तहत आवेदन के विरोध को जानने के लिए भारत में घरेलू उत्पादकों के आवेदन को प्रकट करने में विफल रहे हैं।

ख. उत्पादकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं की कैप्टिव तौर पर काफी खपत की जांच की जाती है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे याचिकाकर्ताओं से उनके आंकड़े प्राप्त करें।

ग. विचाराधीन उत्पाद में व्यापक रेंज के उत्पाद शामिल हैं जिनमें कीमत और लागत के संदर्भ के काफी भिन्नताएं हैं। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई लागत और कीमत संबंधी सूचना से किसी भी सार्थक टिप्पणी के प्रावधान में बाधा उत्पन्न होती है।

घ. बाल और रोल्ड बियरिंग निर्माता एसोसिएशनों ने यह अनुरोध किया है कि आवेदकों द्वारा सूचित किए आयातों की मात्रा और एसोसिएशन द्वारा जुटाए गए आयातों के बीच काफी अंतर है। यह अनुरोध किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के निर्धारण के लिए विचार किए गए आयातों के ब्यौरे प्रस्तुत करने करें। आवेदकों ने

आईबीआईएस डाटा पर भरोसा किया है जो डीजीसीआईएंडएस द्वारा अधिकृत नहीं है, जिसे कि भारत के व्यापार संघियकी तथा वाणिज्यिक सूचना के संग्रहण, संकलन और प्रसार के लिए शासकीय संगठन के रूप में मान्यता है।

- ड. जांच की अवधि और क्षति अवधि प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सभी पूर्व प्रक्रियाओं से भिन्न है। संबद्ध जांच में जांच की अवधि 6 माह की अवधि के लिए ली गई है, जो कि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी समिति की सिफारिश (जी/एडीपी/6, समिति द्वारा दिनांक 5 मई, 2000 को स्वीकार की गई) के प्रतिकूल है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि जांच की अवधि को जून, 2016 तक बढ़ाने पर पर विचार किया जाए। चयनित जांच की अवधि व्यापार नोटिस सं. 2/2004 के असंगत है। जांच की अवधि और अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 की अवधि के बीच पूर्ण रूप से दोहरापन (ओवरलैप) है, जो पूर्व वर्षों की तुलना प्रदान की गई है।
  - च. संबद्ध वस्तुओं के पाटन का कोई इतिहास नहीं है क्योंकि भारत में ऐसी कोई जांच शुरू नहीं की गई है। अतः पाटन का ऐसा कोई इतिहास न होने के कारण वर्तमान जांच में पूर्व प्रभाव से शुल्क नहीं लगाया जा सकता।
  - छ. आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए भ्रमित आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा अनुपयुक्त मूल्यांकन किए जाने के कारण जांच शुरू करना कानून में गलत है।
25. घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए विविध अनुरोध इस प्रकार हैं:
- क. अधिनियम की धारा 9 क (3) उत्पाद के पाटन के इतिहास के संदर्भ में याचिकार्कर्ता प्राधिकारी से संबद्ध वस्तुओं पर पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करने के लिए अनुरोध करते हैं क्योंकि पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने की शर्त पूरी हैं।
  - ख. संबद्ध वस्तुओं के पाटन के साक्ष्य हैं, जो कि इस तथ्य से स्पष्ट हैं कि ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय यूनियन, यूएसए इत्यादि सहित कई देशों ने चीन जन. गण. से वायर रॉड के आयात के खिलाफ पाटनरोधी जांच की है। अपेक्षाकृत कम समय अवधि में भारत के अंदर विचाराधीन उत्पाद का भारी पाटन किया गया है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
  - ग. निर्यातकों को इस बात की अच्छी तरह से जानकारी है कि वे पाटन का सहारा ले रहे हैं, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतों में काफी कमी आई है, जैसा कि संबद्ध देश के लिए पहुँच मूल्यों से स्पष्ट है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

26. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए विविध अनुरोधों की जांच की गई है, जो इस प्रकार है:
- क. इस अनुरोध के संबंध में कि प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को नोटिस जारी नहीं किया है, प्राधिकारी की यही प्रक्रिया है कि जांच शुरू करने के समय केवल ज्ञात पक्षकारों को सूचित किया जाए। इसके अलावा, अनुच्छेद 12.1 के तहत प्राधिकारी को जांच प्राधिकारियों को ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को सूचित करना होता है। इसके अतिरिक्त, अन्य हितबद्ध पक्षकार, जिनकी जांच प्रारंभ करते समय प्राधिकारी को जानकारी नहीं होती है, वे भी अपना अनुरोध भेज सकते हैं और आवेदन का अगोपनीय पाठ प्राप्त कर सकते हैं।
  - ख. कैप्टिव खपत के संबंध में प्राधिकारी ने पहले ही आवेदकों से इसका विवरण प्राप्त कर लिया है।
  - ग. जहां तक इस मामले का संबंध है कि विचाराधीन उत्पाद में उत्पादों की व्यापक रेंज शामिल है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद वायर रॉड है जो विभिन्न ग्रेड और आकार में निर्मित किए जाते हैं। विभिन्न ग्रेड और आकारों में विचाराधीन उत्पाद की उपलब्धता के कारण कीमत और लागत में अंतर है। अतः हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध में कोई मैरिट नहीं है।
  - घ. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन की मात्रा के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार जेपीसी डाटा से प्राप्त किया गया है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने इन जांच परिणामों में डीजीसीआईएंडएस के आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है।

इ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की प्राधिकारी द्वारा उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय अंश प्रदान करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय अंश एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया है।

ज. हितबद्ध पक्षकारों के इस मत के संबंध में कि जांच की अवधि 6 माह से अधिक होनी चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी प्रक्रिया (डब्ल्यूटीओ दस्तावेज सं. जी/एडीपी/6 दिनांक 16 मई, 2000) पर समिति की सिफारिश के अनुसार:

"पाटन की जांचों के लिए आंकड़े संकलित करने की अवधि सामान्यतः बारह माह की होनी चाहिए और यह किसी भी मामले में 6 माह से कम नहीं होनी चाहिए, जो जांच प्रारंभ करने की तारीख से यथा संभव निकट की हो।"

अतः उपरोक्त सिफारिश को देखते हुए, 6 माह की अवधि जांच की अवधि के रूप में ली जा सकती है। प्राधिकारी ने कई अन्य जांचों में भी जांच की अवधि 6 माह की रखी है। प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि वर्तमान जांच की शुरूआत, व्यापार नोटिस सं. 2/2004 का किसी भी तरह से कोई उल्लंघन नहीं है।

झ. जहां तक पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने का संबंध है, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 क (3) में इस प्रकार का प्रावधान है:

यदि जांच के अंतर्गत किसी पाटित वस्तु के संबंध में केन्द्रीय सरकार का यह विचार है कि –

(i) ऐसे पाटन का इतिहास रहा है जिसके कारण क्षति हुई है अथवा आयातक को इसकी जानकारी होनी चाहिए थी अथवा है कि निर्यातिक पाटन करने की पद्धति अपना रहा है और ऐसे पाटन से क्षति होगी ; और

(ii) अल्पावधि में आयातित किसी वस्तु के गहन पाटन के कारण क्षति हुई है, जिससे कि उसके समय तथा पाटित की गई आयातित वस्तु की मात्रा तथा अन्य परिस्थितियों के आलोक में लगाए जाने वाले पाटन रोधी शुल्क के उपचारी प्रभाव के गंभीर रूप से कम होने की संभावना होती है, तो ऐसी स्थिति में,

केन्द्रीय सरकार सरकारी राजपत्र की अधिसूचना द्वारा उप धारा (2) के अंतर्गत पाटन-रोधी शुल्क लागू किए जाने की तारीख से पूर्वव्यापी प्रभाव से पाटन-रोधी शुल्क लागू कर सकती है, लेकिन ऐसा शुल्क, उप-धारा के अंतर्गत ऐसी अधिसूचना की तारीख से 90 दिनों से अधिक समय तक प्रभावी नहीं होगा और उस समय लागू किसी भी कानून में निहित किसी भी प्रावधान के बावजूद ऐसा शुल्क ऐसी दर पर और ऐसी तारीख से देय होगा जिसे अधिसूचना में विनिश्चित किया जा सकता है।

ज. प्राधिकारी अंतिम परिणाम के चरण में पाटन-रोधी शुल्क को पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू करने से संबंधित मामले की जांच करेंगे।

झ. वर्तमान जांच आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना/आंकड़ों का प्रथम दृष्टया विश्लेषण करने के आधार पर की गई है, जिसमें संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पाटन, व्यथित पाटन के कारण आवेदकों को क्षति और दोनों के बीच कारणात्मक संबंध दर्शाया गया है। प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि जांच शुरू करना आवेदकों द्वारा प्रस्तुत किए गए भ्रमित आंकड़ों और प्राधिकारी द्वारा आंकड़ों का अनुपयुक्त मूल्यांकन किए जाने के कारण से

कानूनन गलत है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वह जांच शुरू किए जाने के साथ याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर सूचना की सटीकता और पर्याप्तता के बारे में स्वयं प्रथम दृष्टया संतुष्ट हैं।

### ड. पाटन मार्जिन

#### बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

##### सामान्य मूल्य

27. धारा 9 क (1) (ग) के तहत किसी वस्तु के संबंध में "सामान्य मूल्य" का तात्पर्य है:

(i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपधारा (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित निर्यातिक देश या भूभाग- में खपत के लिए नियत हो, अथवा

(ii) जब निर्यातिक देश या भूभाग- के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई विक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातिक देश या भूभाग- की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम विक्री मात्रा के कारण ऐसी विक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातिक देश या भूभाग-1 से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथा निर्धारित प्रशासनिक, विक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्धम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत, "बशर्ते यदि उक्त वस्तु का आयात उद्धम के देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु का निर्यात के देश से होकर केवल यानान्तरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्धम के देश में उसकी कीमत के संबंध में किया जाएगा"

##### गैर-बाजार अर्थव्यवस्था देश के संबंध में प्रावधान

28. पाटनरोधी नियमावली का अनुबंध-। इस प्रकार है :

7. गैरबाजार- अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समयसीमा के भीतर कार्यवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलम्ब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विषय में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

8 (1) “गैरबाजार- अर्थव्यवस्था वाला देश” वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं कि बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।”

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाठनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है।

तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्टप्राधिकारी- को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था- वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:

(क) ऐसे देश में कड़ी समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बटे खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है;

(घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं;

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाठनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

निर्यातकों, आयातकों, उपयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

29. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाठन मार्जिन के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोधों की जांच की गई है और उन्हें इस प्रकार से शामिल किया गया है:

क. आवेदकों ने चीन में निर्मित कीमत पर विचार किए बिना अथवा किसी अन्य तीसरे देश से भारत को कीमत पर विचार किए बिना पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-। (7) का उल्लंघन करते हुए सीधे ही सामान्य मूल्य का

निर्माण किया है। रिलायंस के लिए शेनयांग मत्थुशिता एस. बैट्री कं. लि., वी एक्साइड इंडस्ट्रीज लि. एवं अन्य के मामले में शीर्ष न्यायालय का निर्णय आया है, जिसमें कि यह पाया गया था कि प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I (7) में उल्लिखित विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करने के बाद ही सामान्य मूल्य का निर्माण करना है।

ख. याचिकाकर्ता ने घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर निर्मित सामान्य मूल्य पर विचार किया है। सबसे अधिक सक्षम उत्पादक की लागत को ही प्राधिकारी की संगत प्रक्रिया के आधार पर विचार में शामिल किया जाना चाहिए।

ग. प्राधिकारी ने विभिन्न अवधियों के लिए निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के आंकड़ों को स्वीकार करके एडीए के अनुच्छेद 5.3 का उल्लंघन किया है। प्राधिकारी ने एक ही समय में विक्रियों के संबंध में निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच तुलना करके पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है। आवेदकों ने यह प्रकट नहीं किया है कि क्या सामान्य मूल्य का निर्धारण जांच की अवधि अथवा किसी अन्य अवधि के लिए किया गया है।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

30. घरेलू उद्योग द्वारा जांच की अवधि के दौरान सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

क. इस बात पर विचार करने के लिए पर्यास कारण है कि चीन जन. गण. में उत्पादक संबद्ध वस्तुओं का पाटन कर रहे हैं।

ख. चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को पूरा नहीं कर सकता है। किसी भी डब्ल्यूटीओ सदस्य देश ने संगत मानदंडों का नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन करने के आधार पर चीन के उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

ग. जब तक कि चीन से प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा नियमावली के तहत विनिर्दिष्ट मानकों को पूरा नहीं किया जाता, निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण करना होगा।

घ. चीन जन. गण. से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है।

ड. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को सेरोगेट देश का सुझाव नहीं दिया है। अतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए इस अनुरोध का कोई मतलब नहीं है कि चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय प्राधिकारी को क्रमानुसार आगे बढ़ना चाहिए।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

#### चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था के दावे

31. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों में चीन जन गण को भारत और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन गण को इस शर्त से अध्यधीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है कि निर्यातक देश अथवा व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा नियमों के अनुसार इस अवधारणा का खंडन किया जाए।

32. पाटनरोधी नियमावली के यथा संशोधित अनुबंध-I के पैरा 8 के अनुसार एक-बाजार अर्थव्यवस्था की धारणा का खंडन किया जा सकता है, यदि चीन जन. गण. से निर्यातक पैरा 8 में यथा उल्लिखित मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्यास साक्ष्य प्रदान करे और इसके प्रतिकूल सिद्ध करे। चीन जन गण से संबद्ध वस्तुओं के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप-पैरा (3) में यथा उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्यास साक्ष्यों को प्रस्तुत करना आवश्यक हैं ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मानदंडों पर विचार कर सके कि क्या:

- क. कीमतों, लागतों और इनपुट, जिसमें कच्ची सामग्री शामिल है, प्रौद्योगिकी एवं श्रम की लागत, आउटपुट, विक्रियों और निवेश के बारे में चीन जन. गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय आपूर्ति और मांग को दर्शने वाले बाजार के संकेतकों के अनुसार है और इस संबंध में राज्य के पर्यास हस्तक्षेप के बिना किया गया है और क्या प्रमुख इनपुट की लागतें बाजार के मूल्यों को पर्यास रूप से दर्शाती है।
- ख. ऐसी फर्मों की उत्पादन की लागत और वित्तीय स्थिति पूर्व गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली में महत्वपूर्ण विकृति के अध्यधीन हैं, जो विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास, अन्य बढ़े खाते, वस्तु विनिमय व्यापार और ऋण प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संबंध में है।
- ग. ऐसी फर्मों दिवालिएँपन और सम्पत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं, जो फर्मों के प्रचालन के लिए कानूनन निश्चितता और स्थायीत्वता की गारंटी है।
- घ. विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किए जाते हैं।
33. यह नोट किया जाता है कि चीन जन. गण. में संबद्ध वस्तुओं के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। तदनुसार, प्राधिकारी को उपरोक्त किसी भी मानदंड की जांच करने की जरूरत नहीं है और यह पाया है कि चीन जन. गण. से उत्पादक/निर्यातिक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के तहत प्रचालन नहीं कर रहा है।
- सामान्य मूल्य का निर्धारण**
34. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावलियां भेजी हैं और उन्हें निर्धारित रूप में और निर्धारित तरीके से सूचना प्रदान करने का परामर्श दिया है:
1. जियांगसू शगांग मैटेरियल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)
  2. बीएंडएल मेटल (एचके) लिमिटेड (निर्यातक)
  3. जियांगसू रंझोंग हाईटेक कं. लि. (उत्पादक)
  4. झंगजियागांग शाजिंग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
  5. झंगजियागांग होंगकिंसग गाँकिंसयान कं. लि. (उत्पादक)
  6. झंगजियागांग रोंगशेंग स्टील मार्केटिंग कं. लि. (उत्पादक)
  7. जिनागसू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)
  8. बीएंडएल इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट कं. लि.
  9. झंगजियागांग होंगचांग गायोकिंसयान कं. लि. (उत्पादक)
  10. झंगजियागांग रंगझोंग स्टील कं. लि. (उत्पादक)
  11. किंशा इंटरनेशनल पीटीई. लि. (निर्यातक)
  12. माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि. (उत्पादक)
  13. सिनोमैटेरियल इंटरनेशनल कं. लि. (निर्यातक)
  14. मनुचार स्टील हांगकांग लिमिटेड (निर्यातक)
  15. बुरविल रिसोर्सेस लिमिटेड (निर्यातक)
  16. जियांगसू योंगांग ग्रुप कं. लि. (उत्पादक)

17. जेनसिस रिसोर्सेस कं. लि. (हांग कांग)
  18. स्मार्ट टाइमिंग स्टील लिमिटेड (निर्यातक)
  19. टॉपटिप होल्डिंग पीटीई. लि. (निर्यातक)
  20. जेनिथ स्टील ग्रुप कं. लि. (उत्पादक)
  21. हंगज्ञोऊ कोजनरेशन (हांग कांग) कं. लिमिटेड (निर्यातक)
  22. यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी (निर्यातक)
  23. विन फेथ ट्रेडिंग लिमिटेड (निर्यातक)
  24. बैंक्सी आयरन एंड स्टील हांग कांग लिमिटेड (निर्यातक)
  25. बैंक्सी बीइंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इम्प. एंड एक्सपो. कारपो. लि. (निर्यातक)
  26. बैंक्सी बीताई गाओसू स्टील वायर रोड कं. लि. (उत्पादक)
  27. फ्यूचर मैटेरियल्स इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लिमिटेड (निर्यातक)
  28. जियांगिन यिंगचेंग एलॉय मैटेरियल कं. लि. (उत्पादक)
  29. जियांगिन यिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि.
35. इसके अलावा निम्नलिखित निर्यातकों/व्यापारियों ने पूरा प्रश्नावली उत्तर दाखिल करने की बजाए केवल परिशिष्ट-2 और 3-क दाखिल किया है।
1. हांग कांग ग्रेंड इंटरनेशनल कं. लि.
  2. हियोसंग कारपोरेशन
  3. स्टीलको पेसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड
  4. स्टीलफोर्स फार ईस्ट लि.
  5. टाटा इंटरनेशनल मेटल्स (एशिया) लिमिटेड
  6. यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी (अलग से दाखिल की)
36. यह नोट किया गया है कि चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं में किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है। अतः घरेलू उद्योग द्वारा अनंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए रिकार्ड पर रखे गए तथ्यों को देखते हुए, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के संदर्भ में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजन से निर्मित सामान्य मूल्य को स्वीकार किया है।
37. हितबद्ध पक्षकारों के इन तर्कों के संबंध में कि प्राधिकारी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I (7) में उल्लिखित विभिन्न तरीकों का इस्तेमाल करते हुए बाद में सामान्य मूल्य का निर्माण करना है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने न तो निर्दिष्ट प्राधिकारी को एक सरोगेट देश का सुझाव दिया है और न ही इस संबंध में कोई विश्वसनीय डाटा प्रदान किया है। अतः प्राधिकारी ने निम्नलिखित पैरा में यथा उल्लिखित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्माण किया है।
38. इस तर्क के संबंध में कि प्राधिकारी ने विभिन्न अवधियों के लिए निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के डाटा को स्वीकार करके एडीए के अनुच्छेद 5.3 का उल्लंघन किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध

पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत अनुरोध किसी मेरिट के बिना है और केवल जांच की अवधि के लिए निर्यात मूल्य निर्धारित किया गया है।

### सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कार्यप्रणाली

39. उपरोक्त को देखते हुए चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 में निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाना अपेक्षित है। अनुबंध-I के पैरा 7 के प्रावधानों के तहत चीन जन. गण. में सामान्य मूल्य का निर्धारण एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में घरेलू बिक्री कीमतों अथवा एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में निर्मित मूल्य अथवा ऐसे तीसरे देश से भारत सहित किसी अन्य देश को किए गए निर्यात की कीमतों के आधार पर किया जाता है। तथापि, यदि सामान्य मूल्य का निर्धारण उपरोक्त विकल्पों के आधार पर नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी वास्तव में भुगतान की गई कीमत अथवा समान उत्पाद के लिए भारत में भुगतान की जाने वाली कीमत सहित किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकता है।
40. किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में संबद्ध वस्तुओं के लिए किसी विश्वसनीय कीमत और लागत ब्यौरे के न होने पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित, समान उत्पादन के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्माण किया गया है। तदनुसार, चीन जन. गण. से सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का अनंतिम निर्धारण किया गया है और इसे नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शायी गया है।

### निर्यात कीमत

मैसर्स बैंक्सी बैतई गाओसू स्टील वायर रॉड कं. लि, चीन जन. गण. (उत्पादक) संबद्ध व्यापारियों मैसर्स बैंक्सी बिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपो. लि, चीन जन. गण., मैसर्स बैंक्सी आयरन एंड स्टील हांग कांग लि. (हांग कांग) तथा असंबद्ध व्यापारियों, मैसर्स हांगझोऊ कोजेनरेशन (हांगकांग) कं. लि. (हांग कांग), मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लि. (हांग कांग) तथा मैसर्स यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी (यूएई) के माध्यम से।

41. मैसर्स बैंक्सी बैतई गाओसू स्टील वायर रॉड कं. लि., चीन जन. गण. ("बीबीजी") द्वारा दाखिल किए गए उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बीबीजी संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक है। इसकी संबद्ध कंपनी, मैसर्स बैंक्सी बिंग आयरन एंड स्टील ग्रुप इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपो. लि. ("बीबीआईजी") बीबीजी की निर्यातक एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है और भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात एक अन्य संबद्ध व्यापारी कंपनी, मैसर्स बैंक्सी आयरन एंड स्टील हांग कांग लि. के माध्यम से और साथ ही असंबद्ध व्यापारी कंपनी नामतः मैसर्स हांगझोऊ को-जेनरेशन (हांगकांग), मैसर्स फ्यूचर मैटेरियल इंडस्ट्री (हांग कांग) कं. लि., मैसर्स यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी (यूएई), मैसर्स निंगबो सीआईएमईआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट तथा मनुचार स्टील हांग कांग लि. के माध्यम से किया गया है।
42. बीबीआईजी द्वारा प्रस्तुत उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह केवल बीबीजी के लिए निर्यात एजेंसी के रूप में कार्य कर रही है। बीबीआईजी के परिशिष्ट-2 में भारत को किसी निर्यात की सूचना नहीं दी है और केवल परिशिष्ट-9 प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा, बीबीजी ने अपने उत्तर में बीबीआईजी को ग्राहक के नाम से नहीं दर्शाया है। जबकि बीबीआईजी खरीदारों के साथ समझौता कर रही है और इसके अपने नाम से निर्यात इनवॉयस जारी कर रही है। तदनुसार, प्राधिकारी यह समझने में असमर्थ हैं कि कैसे बीबीआईजी निर्यात एजेंसी के रूप में कार्य करते हुए भारत को निर्यातकों के लिए खरीदारों को इनवॉयस जारी कर सकती है।

43. इसके अलावा, उपरोक्त कंपनियों में से मैसर्स निंगबो सीआईएमईआई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ने उत्तर दाखिल नहीं किया है और मनुचार स्टील हांगकांग लि. ने बीबीजी द्वारा निर्मित वस्तुओं का भारत को कोई निर्यात करने की सूचना नहीं दी है। अतः बीबीआईजी से ट्रेडर द्वारा तथ्यों को छिपाने सहित पूरी सूचना न होने के कारण प्राधिकारी अनंतिम जांच परिणामों के प्रयोजन के लिए बीबीजी द्वारा दाखिल उत्तर को स्वीकार नहीं करते। तदनुसार, बीबीजी के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है। जिनांग्सू रंगज़ोंग हाईटेक कं. लि., झांगजियागांग शाजिंग स्टील कं. लि., झांगजियागांग होंगकिंग गाओक्सियान कं. लि. (उत्पादक), झांगजियागांग रोंगज़ोंग स्टील मेकिंग कं. लि. (उत्पादक), झांगजियागांग होंगचांग गायोक्सियान कं. लि. और (उत्पादक) झांगजियागांग रंगज़ोंग स्टील कं. लि. (उत्पादक) ने संबद्ध व्यापारियों जियांग्सू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., जियांग्सू शगांग मैटेरियल ट्रेड कं. लि., किंशा इंटरनेशनल पीटीई. लि. तथा असंबद्ध व्यापारियों बीएंडएल मेटल (एचके) लिमिटेड, बीएंडएल इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट कं. लि., हांग कांग ग्रेंड इंटरनेशनल कं. लि., हियोसंग कारपोरेशन, स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लिमिटेड, स्टीलफोर्स फार ईस्ट लि., टाटा इंटरनेशनल मेटल्स (एशिया) लिमिटेड और यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी के माध्यम से निर्यात
44. उपरोक्त कंपनियों द्वारा दाखिल उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुएं 6 संबद्ध कंपनियों द्वारा उत्पादित की गई थी, नामतः मैसर्स जियांग्सू रनज़ोंग हाईटेक कं. लि., झांगजियागांग शाजिंग स्टील कं. लि., झांगजियागांग होंगजिंग गाओक्सियान कं. लि., झांगजियागांग रोंग शेंग स्टील मेकिंग कं. लि., झांगजियागांग होंगचांग गायोक्सियान कं. लि. तथा झांगजियागांग रनज़ोंग स्टील कं. लि.।
45. इन उत्पादकों द्वारा निर्मित की गई संबद्ध वस्तुएं संबद्ध व्यापारियों नामतः मैसर्स जिनांग्सू शगांग इंटरनेशनल ट्रेड कं. लि., मैसर्स जिशां इंटरनेशनल प्रा. लि. और असंबद्ध व्यापारियों नामतः मैसर्स बीएंडएल मैटल (एचके) लि. (हांग कांग), बीएंडएल इंटरनेशनल इंवेस्टमेंट कं. लि., मैसर्स हांगकांग ग्रांड इंटरनेशनल कं. लि., मैसर्स हुओसंग कारपोरेशन, मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लि., मैसर्स स्टील फोर्स फार ईस्ट लि., मैसर्स टाटा इंटरनेशनल मैटल (एशिया) लि., मैसर्स यूनीस्टील इंटरनेशनल डीएमसीसी, मनुचार स्टील हांगकांग लि., मैसर्स थाईसोन कुरूप मानेक्स एशिया प्रा. लि., यूआईएल हांगकांग लि., गालोस रिसोर्सेज प्रा. लि., मैसर्स क्यूमिक स्टील लि. तथा मैसर्स स्मार्ट टाइमिंग स्टील लि. के माध्यम से निर्यात की गई थी।
46. उपरोक्त कंपनियों में से मैसर्स थाईसेन कुरूप मानेक्स एशिया प्रा. लि., यूआईएल हांगकांग लि., गालोस रिसोर्सेज प्रा. लि. तथा मैसर्स क्यूमिक स्टील लि. ने कोई प्रश्नावली उत्तर दाखिल नहीं किया है। इसके अलावा, मैसर्स स्मार्ट टाइमिंग स्टील लि. तथा मनुचार स्टील हांग कांग लि. ने इन उत्पादकों द्वारा निर्मित वस्तुएं भारत को निर्यात किए जाने की सूचना नहीं दी है। इसके अलावा, मैसर्स हांग कांग ग्रांड इंटरनेशनल कं. लि., मैसर्स हुओसंग कारपोरेशन, मैसर्स स्टीलको पैसिफिक ट्रेडिंग लि., मैसर्स स्टील फोर्स फार ईस्ट लि., मैसर्स टाटा इंटरनेशनल मैटल (एशिया) लि. द्वारा दाखिल उत्तर पूर्ण नहीं है। इन व्यापारियों ने केवल परिशिष्ट-2 और परिशिष्ट-3 के प्रस्तुत किया है और कोई अन्य सूचना इन व्यापारियों द्वारा प्रदान नहीं की गई है। ईक्यूआर दाखिल करना एक खाली औपचारिकता नहीं है, जो निर्यातकों की सुविधा के अनुसार बहुत ही चुनिन्दा सूचना दाखिल करके पूरी की जा सके।
47. इसके अलावा, किसी भी उत्पादक ने भारत को परिशिष्ट-2 में निर्यातों से संबंधित सूचना प्रस्तुत नहीं की है। उत्पादकों से परिशिष्ट-2 में सूचना न मिलने पर भारत को कारखाना बाह्य निर्यात का पता लगाना सम्भव नहीं है।
48. उपरोक्त कारणों को देखते हुए प्राधिकारी इन कंपनियों द्वारा दिए गए उत्तर को अनंतिम रूप से अस्वीकार करते हैं। तदनुसार, मैसर्स जियांग्सू रनज़ोंग हाईटेक कं. लि., झांगजियागांग शाजिंग स्टील कं. लि., झांगजियागांग होंगजिंग गाओक्सियान कं. लि., झांगजियागांग रोंग शेंग स्टील मेकिंग कं. लि., झांगजियागांग होंगचांग गायोक्सियान कं. लि. तथा झांगजियागांग रनज़ोंग स्टील कं. लि. के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।

**जियांगसू योंगगांग ग्रुप कं. लि. (उत्पादक)** ने मैसर्स साइनो मैटेरियल इंटरनेशनल कं. लि., मैसर्स मनुचार स्टील हांग कांग लि. तथा मैसर्स बुरविल रिसोर्सेज लि. के माध्यम से निर्यात किया।

49. उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा दाखिल किए गए उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन जियांगसू योंगगांग ग्रुप कं. लि. द्वारा किया गया था और निर्यात असंबद्ध व्यापारी मैसर्स साइनो मैटेरियल इंटरनेशनल कं. लि., मैसर्स मनुचार स्टील हांगकांग लि. तथा मैसर्स बुरविल रिसोर्सेज लि., स्मार्ट टाइमिंग स्टील लि., मेटल वन (शंघाई) कारपोरेशन, नावेक्स एशिया लि., वा ट्रेडिंग कं. लि., तिबू मेटल (एचके) लि., टाटा इंटरनेशनल मेटल्स (एशिया) लि. तथा स्टीलफोर्स फॉर ईस्ट लि. के माध्यम से किया गया था।
  50. उपरोक्त कंपनियों में से मेटल वन (शंघाई) कारपोरेशन, नावेक्स एशिया लि., वा ट्रेडिंग कं. लि., तिबू मेटल (एचके) लि., टाटा इंटरनेशनल मेटल्स (एशिया) लि. तथा स्टीलफोर्स फॉर ईस्ट लि. ने उत्तर दाखिल नहीं किया है। इसके अलावा, स्मार्ट टाइमिंग स्टील लि. ने जियांगसू योंगगांग ग्रुप कं. लि. द्वारा निर्मित वस्तुओं का भारत को निर्यात किए जाने की सूचना नहीं दी है। इसके अलावा, मैसर्स बुरविल रिसोर्सेज लि. और मैसर्स साइनो मैटेरियल इंटरनेशनल कं. लि. द्वारा सूचित भारत को निर्यात की मात्रा जियांगसू योंगगांग ग्रुप कं. लि. द्वारा सूचित की गई मात्रा से मेल नहीं खाती है।
  51. अतः तथ्यों के छिपाने सहित उपरोक्त कारणों को देखते हुए प्राधिकारी इन कंपनियों द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को अनंतिम रूप से अस्वीकार करते हैं। तदनुसार, जियांगसू ग्रुप कं. लि. के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।
- जेनिथ स्टील ग्रुप कं. लि. (उत्पादक), जेनेसिस रिसोर्सेज कं. लि. (हांगकांग), स्मार्ट टाइमिंग स्टील लि. (हांग कांग/निर्यातक), टोपटिन होल्डिंग प्रा. लि. (निर्यातक)**
52. उत्पादक, मैसर्स जेनिथ स्टील ग्रुप कं. लि. द्वारा दाखिल उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादक ने जेनेसिस रिसोर्सेज कं. लि. (हांग कांग), टोपटिन होल्डिंग प्रा. लि. (सिंगापुर) तथा विनफेथ ट्रेडिंग लि., चीन जन. गण. के माध्यम से भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। विनफेथ ट्रेडिंग लि., चीन जन. गण. ने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। टोपटिन होल्डिंग प्रा. लि. ने एक अन्य ट्रेडर, मैसर्स कारगिल इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं., सिंगापुर, जिसने कि कोई उत्तर दाखिल नहीं किया है, को समग्र मात्रा की आगे पुनः विक्री की है। जेनेसिस रिसोर्सेज कं. लि. (हांग कांग) ने स्मार्ट टाइमिंग स्टील लि. (हांग कांग) को संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है जिसने बदले में डीएचएम एसके ए, स्विट्जरलैंड को संबद्ध वस्तुओं की विक्री की है, जो प्राधिकारी के साथ सहयोग करने में भी विफल रही।
  53. अतः महत्वपूर्ण रूप से बड़ी मात्रा में निर्यात करने वाले ट्रेडर/निर्यातकों द्वारा असहयोग को देखते हुए प्राधिकारी अनंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए इन कंपनियों द्वारा दाखिल उत्तर को स्वीकार नहीं करते। तदनुसार, जेनिथ स्टील ग्रुप कं. लि. के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।

#### **माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि. (उत्पादक सह निर्यातक)**

54. माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि. ("माईएमपी") द्वारा दाखिल उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि माईएमपी ने जांच की अवधि के दौरान भारत को सीधे ही संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है।
55. भारतीय ग्राहकों को विक्री सीएफआर आधार पर है। माईएमपी ने स्वदेशी मालभाड़े, बंदरगाह प्रभार, समुद्री मालभाड़ा और बैंक प्रभार के संबंध में समायोजनों का दावा किया है और इसकी अनंतिम रूप से अनुमति दी गई है। प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से गैर-वापसी योग्य वोट के संबंध में आगे समायोजन किया है। तदनुसार माईएमपी के लिए कारखाना बाह्य स्तर पर अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

जियांगिन किंचेंग एलॉय मैटेरियल कं. लि. (उत्पादक) ने जियांगिन किंचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि. के माध्यम से निर्यात किया है।

56. उत्पादक और निर्यातिक द्वारा दाखिल उत्तर से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन जियांगिन जिंगचेंग अलॉय मैटेरियल कं. लि. ("जेएक्सएएम") द्वारा किया गया है और संबद्ध ट्रेडिंग कंपनी जियांगिन जिंगचेंग स्पेशल स्टील वर्क्स कं. लि. ("जेएक्सएसएस") के माध्यम से निर्यात किया गया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जेएक्सएएम ने परिशिष्ट-2 में भारत को निर्यात के संबंध में सूचना नहीं प्रस्तुत की है। उत्पादक से परिशिष्ट-2 में सूचना न होने के कारण यह संभव नहीं है कि भारत को कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का पता लगाना सम्भव नहीं है।
57. अतः जेएक्सएएम से कारखाना बाह्य निर्यात कीमत के संबंध में पूरी सूचना न होने पर प्राधिकारी अनंतिम जांच परिणाम के प्रयोजन के लिए जेएक्सएएम द्वारा दाखिल किए गए उत्तर को स्वीकार नहीं करते। तदनुसार, जेएक्सएएम के लिए निर्यात कीमत प्राधिकारी के पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर है।  
असहयोगी उत्पादकों और निर्यातिकों के लिए निर्यात कीमत
58. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चीन जन. गण. से किसी भी अन्य उत्पादक/निर्यातिक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को उत्तर दाखिल नहीं किया है। चीन जन. गण. में सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातिकों के लिए प्राधिकारी ने बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर वायर रॉड के लिए अनंतिम भारित औसत निर्यात कीमत का निर्धारण किया है।

### पाटन मार्जिन

59. भारत को निर्यात कीमत (निर्यातिकों द्वारा दावा किए गए सभी निवल समायोजन और प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किए गए) की तुलना पाटन मार्जिन का निर्धारित करने के लिए सामान्य मूल्य के साथ की गई है। संचयी अवधि के दौरान संबद्ध देश से सभी सहयोगी निर्यातिकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाए अनुसार निर्धारित की गई है।

### पाटन मार्जिन सारणी

क्रम सं.	देश	उत्पादक	निर्यातिक	सामान्य मूल्य	निवल निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन रेंज %
1.	चीन जन. गण.	माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि.	माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि.	***	***	***	***	35-45
2.	चीन जन. गण.	अन्य	अन्य	***	***	***	***	100-110

60. यह देखा गया है कि पाटन मार्जिन बिल्कुल महत्वपूर्ण और संबद्ध देश से विचाराधीन वस्तुओं के सभी उत्पादकों-निर्यातिकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में नियमावली के तहत निर्धारित सीमा से अधिक है।

### क्षति

आयातकों, निर्यातिकों, उपभोक्ताओं और उपभोक्ता एसोसिएशनों द्वारा किए गए अनुरोध

61. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति से संबंधित मामलों के संबंध में किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए अनुरोध पर इस प्रकार से विचार किया गया है:

- क. घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, निर्यात निष्पादन में गिरावट, ब्याज लागतों में वृद्धि, प्रति इकाई बिक्री की लागत में वृद्धि इत्यादि सहित अनेक कारकों के कारण है। घरेलू उत्पादकों की उत्पादन क्षमता में घरेलू मांग की तर्ज पर वृद्धि नहीं हुई है। संबद्ध वस्तुओं की मांग में जांच की अवधि में (वार्षिकीकृत) वर्ष 2012-13 में 100 इंडेक्स इकाई से 160 प्वाइंट तक की वृद्धि हुई है।
- ख. जेएसडब्ल्यू के कर्नाटक संयंत्र को जांच की अवधि के दौरान बंद कर दिया गया था (क्यू-2), जिसके लिए याचिका में कोई प्रकटीकरण नहीं किया गया है। प्राधिकारी को कर्नाटक संयंत्र बंद करने के लिए समायोजन करने के बाद संशोधित क्षति सूचना प्रदान करनी चाहिए। घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता बढ़ाई है और घरेलू उद्योग के उत्पादन में आधार वर्ष से काफी सुधार आया है। इस प्रकार इन कारकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं है।
- ग. कथित आयातों के कारण लाभप्रदता दर कोई प्रतिकूल नहीं है। घरेलू उद्योग के लाभ में 2012-13 में 100 प्वाइंट से जांच की अवधि में 177 प्वाइंट तक प्रति यूनिट ब्याज की लागत में वृद्धि के कारण गिरावट आई है। इसके अलावा, नकारात्मक कामत कटौती यह दर्शाती है कि आयातों की पहुँच कीमत घरेलू कीमतों को प्रभावित नहीं करती।
- घ. आवेदकों को क्षति निर्यात निष्पादन में गिरावट, उच्च ब्याज लागत और प्रति लागत वृद्धि के कारण हुई है। संबद्ध वस्तुओं की मांग वर्ष 2012-13 में 100 इंडेक्स प्वाइंट से जांच की वृद्धि (क) में 160 इंडेक्स प्वाइंट तक की वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उत्पादकों की उत्पादन क्षमता में में घरेलू मांग के अनुसार वृद्धि नहीं हुई है। आयातों में वृद्धि केवल मांग-आपूर्ति अंतराल को पूरा करने के लिए है।

### घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

62. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति संबंधी मामलों के संबंध में किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोध इस प्रकार हैं:

- क. संबद्ध वस्तुओं के आयातों में जांच की समग्र अवधि के दौरान समग्र अर्थों में वृद्धि हुई है। संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र अर्थों में वृद्धि हुई है।
- ख. संबद्ध वस्तुओं के आयातों में उत्पादक के संबंध में वृद्धि हुई है और साथ ही भारत में खपत के संबंध में वृद्धि हुई है और समग्र अर्थों में वृद्धि हुई है।
- ग. घरेलू उद्योग के बाजार अंश में वृद्धि हुई है, यद्यपि भारत में संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में वृद्धि हुई है। यह इस कारण से है कि आयातों ने मांग में वृद्धि को तेजी से कब्जे में लिया है। यद्यपि, संबद्ध देश से आयातों को बाजार अंश में वर्ष 2012-13 से जांच की अवधि (क) तक तीव्र वृद्धि हुई है।
- घ. घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के अनुसार अपने उत्पादन और बिक्री के लिए समर्थ नहीं है।
- ङ. घरेलू उद्योग की इन्वेंट्री में वृद्धि हुई है क्योंकि घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के बावजूद बिक्री में वृद्धि नहीं कर पाया है। आयातों ने भारत में मांग को तेजी से कब्जा कर लिया है।
- च. भारत में कम कीमत के पाटित आयातों के कारण महत्वपूर्ण कीमत ह्रास और कीमत कटौती है।
- छ. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और लगी गई पूँजी पर प्रतिफल पर गहन प्रभाव पड़ा है। लगाई गई पूँजी पर प्रतिफल, निवल लाभ तथा नकदी लाभ में पूरी क्षति अवधि के दौरान नकारात्मक रुद्धान सामने आया है और जांच की अवधि के दौरान हानि में और भी वृद्धि हुई है।
- ज. घरेलू उद्योग को निर्यात निष्पादन से किसी भी तरह से इसकी वित्तीय और आर्थिक स्थिति पर प्रभाव नहीं पड़ा है। साथ ही, याचिकाकर्ताओं निर्यातों से संबंधित सूचना को क्षति मानदंडों की जांच करते समय नजर अंदाज किया है और समग्र क्षति विश्लेषण केवल याचिकाकर्ताओं के घरेलू पर आधारित है।

- झ. समग्र विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग भारत में विचाराधीन उत्पाद के पाठित आयातों में वृद्धि के कारण सामग्री क्षति का सामना कर रहा है। संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों और घरेलू उद्योग के समक्ष आ रही सामग्री क्षति के बीच एक सशक्त गठबंध है।
- ज. घरेलू उद्योग के पास आदेशों को रखने के समय ग्राहक इस बात पर बल देते हैं कि घरेलू उद्योग को उसी माह के दौरान विदेशी उत्पादक द्वारा दिए गए प्रस्ताव के साथ कीमत से मेल खाना चाहिए, यद्यपि एक विदेशी आपूर्तिकर्ता द्वारा दिया गया प्रस्ताव केवल 2 माह के बाद प्रदान किया जाएगा। अतः कीमत कटौती के लिए उचित तुलना दो माह के दौरान घरेलू विक्रियों की वसूली के बीच होनी चाहिए। यदि प्राधिकारी इस समय अवधि के मामले को ध्यान में रखते हैं तो कीमत कटौती दिखाई देगी।
- ट. यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि हाल की अवधियों के दौरान संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुँच मूल्य में कम्ती सामग्रियों की कीमतों में गिरावट से काफी अधिक गिरावट हुई है। इसके अलावा, यह नोट किया जाए कि आयात काफी कम कीमतों पर किए गए हैं और घरेलू उद्योग को इतनी कम कीमतों का मुकाबला करने के लिए बाध्य होना पड़ा है कि उनकी कीमतें घरेलू उद्योग की उत्पादन की लागत से भी कम की गई हैं।
- ठ. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति उनके अपने कारकों के कारण से जैसे उचित नियम लागत का भार और क्षमताओं कम उपयोग होना आदि है। ये दावे सामान्य हैं और बिना किसी तथ्य और आंकड़े के हैं। यह तथ्य कि क्षति का कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों का होना है, पहले प्रभावित हो चुका है। घरेलू उद्योग कई वर्षों से मौजूद है और विगत वर्षों से अच्छी तरह से संचालित हो रहा है।

### प्राधिकारी द्वारा जांच

63. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंधों के संबंध में जांच के दौरान किए गए अनुरोध और प्राधिकारी द्वारा संगत पाए गए अनुरोध की जांच की गई है और उन पर इस प्रकार कार्रवाई की गई है:
- क. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के पहुँच मूल्य में भारी मात्रा में गिरावट आई है और घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति के कारण इतनी कम कीमत का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ा है।
- ख. घरेलू उद्योग को नियंत निष्पादन के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि समग्र क्षति विश्लेषण का आधार ही केवल याचिकाकर्ताओं का घरेलू निष्पादन है।
- ग. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों का आगे विश्लेषण किया है कि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति उनके अपने कारणों से है, जिनमें अधिक नियत लागत का भार और क्षमताओं का कम उपयोग होना है। ये दावे बहुत ही अस्पष्ट हैं और इनके समर्थन में कोई विशिष्ट तथ्य और आंकड़े नहीं दिए गए हैं। यह तथ्य कि क्षति होने का कारण भारत में संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों का होना बाद के पैरा में प्रमाणित हो चुका है। घरेलू उद्योग काफी वर्षों से अस्तित्व में है और विगत में उच्च कार्य करता आया है। संबद्ध वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग के पास आधारभूत संरचनाएं और क्षमताएं मौजूद हैं। यदि इन कारकों ने घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रभाव डाला होता तो घरेलू उद्योग विगत वर्षों से लाभ अर्जित नहीं कर रहा होता।
64. पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जो घरेलू उद्योग को क्षति होने की ओर इशारा करते हैं, "..... सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, जिनमें पाठित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव शामिल हैं, .....।" कीमत पर पाठित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, यह आवश्यक समझा गया कि इस बात की जाए कि क्या भारत में समान वस्तुओं की कीमतों की तुलना में पाठित आयातों से कोई महत्वपूर्ण कीमत कटौती हो रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव कीमतों को अन्यथा पर्याप्त मात्रा में गिराने के लिए है अथवा कीमत वृद्धि को रोकते हैं, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, विक्री की मात्रा, स्टॉक लाभप्रदता, निवल विक्रियों की वसूली, पाटन की मात्रा व मार्जिन

इत्यादि जैसे उद्योग पर प्रभाव को दर्शनी वाले संकेतकों पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

### पाठित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव

#### मांग का आकलन

65. संबद्ध वस्तुओं की मांग/स्पष्ट खपत का निर्धारण समान उत्पाद के भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों को जोड़कर तथा सभी देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों को शामिल करके किया गया है। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं की मांग/स्पष्ट खपत में क्षति अवधि के दौरान महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जो नीचे सारणी में दर्शाई गई है :

विवरण (मी. टन में)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015-दिसं., 2015 (क)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
संबद्ध देशों से कुल पाठित आयात	1,60,582	1,16,366	7,70,493	8,27,721	4,95,732	9,91,463
संबद्ध देशों से आयात	2,03,688	71,595	1,00,927	1,06,142	53,835	1,07,670
कुल आयात	3,64,270	1,87,961	8,71,420	9,33,863	5,49,567	10,99,134
याचिकाकर्ताओं की घरेलू बिक्रियां	11,55,858	12,26,631	10,83,019	15,03,914	7,83,210	15,66,421
समर्थकों की घरेलू बिक्रियां	6,21,818	6,22,535	6,63,185	7,07,817	3,63,094	7,26,188
अन्य उत्पादकों की घरेलू बिक्रियां	8,57,162	11,97,536	10,53,228	13,54,427	6,77,523	13,55,046
कुल मांग/स्पष्ट खपत	29,99,108	32,34,663	36,70,852	45,00,021	23,73,394	47,46,789

#### आयात की मात्रा और संबद्ध देश का अंश

66. पाठित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को यह निर्धारित करना अपेक्षित है कि क्या पाठित आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि सापेक्ष अर्थों में या उत्पादन के संबंध में अथवा भारत में खपत के संबंध में हुई है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव का विश्लेषण किया गया है जो इस प्रकार है :

विवरण (मी. टन में)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015-दिसं., 2015 (क)	पीओआई (जुलाई, 2015- दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
संबद्ध देश से पाठित आयात	1,60,582	1,16,366	7,70,493	8,27,721	4,95,732	9,91,463

विवरण (मी. टन में)	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015-दिसं., 2015 (क)	पीओआई (जुलाई, 2015-दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
प्रवृत्ति	100	72	480	515	309	617
अन्य देशों से आयात	2,03,688	71,595	1,00,927	1,06,142	53,835	1,07,670
प्रवृत्ति	100	35	50	52	26	53
कुल आयात	3,64,270	1,87,961	8,71,420	9,33,863	5,49,567	10,99,134
प्रवृत्ति	100	52	239	256	151	302
कुल मांग/ स्पष्ट खपत	29,99,108	32,34,663	36,70,852	45,00,021	23,73,394	47,46,789
प्रवृत्ति	100	108	122	150	79	158
खपत के संबंध में संबद्ध देश से पाठित आयात	5%	4%	21%	18%	21%	21%
याचिकाकर्ताओं का उत्पादन	14,75,041	16,09,279	15,03,065	17,80,457	9,03,013	18,06,025
याचिकाकर्ताओं ने कुल उत्पादन के संबंध में संबद्ध देश से पाठित आयात	11%	7%	51%	46%	55%	55%

67. प्राधिकारी उपरोक्त सारणी से यह नोट करते हैं :

- क) चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं का आयात सापेक्ष अर्थों में वर्ष 2012-13 में, 1,60,502 मी.टन से बढ़कर जांच की अवधि (क) में 9,91,463 (मी. टन) हो गया।
- ख) चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं का आयात याचिकाकर्ताओं के उत्पादन के संबंध में 2012-13 में 11% से बढ़कर जांच की अवधि (क) में 55% हो गया।
- ग) चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तुओं का आयात भारत में खपत के संबंध में 2012-13 में 5% से बढ़कर जांच की अवधि (क) में 21% हो गया।

68. इस प्रकार से यह निष्कर्ष निकाला गया है कि संबद्ध देश से जांच की अवधि में आयातों में सापेक्ष अर्थों में और भारत में उत्पादन व खपत के संदर्भ में वृद्धि हुई है।

#### घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का कीमत प्रभाव

69. कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाठनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में यह विनिर्दिष्ट किया गया है :

"पाठित आयातों की मात्रा की जांच करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समग्र अर्थों में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में पाठित आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नियम 18 के उप नियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों के कारण अत्यधिक

कीमत कटौती हर्इ है अथवा क्या ऐसे आयातों के कारण कीमतों का अत्यधिक हास हुआ है अन्यथा कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।"

70. यह जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद के पाटित आयातों से पर्याप्त मात्रा में कीमतों में गिरावट आई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव कीमतों में पर्याप्त मात्रा में अन्यथा गिरावट के लिए है अथवा कीमत में वृद्धि को रोकते हैं, जो अन्यथा महत्वपूर्ण मात्रा में होती। घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की कम कीमत पर बिक्री, कीमत में गिरावट और कीमत कटौती, यदि कोई है, के संदर्भ में जांच की गई है।

### कीमत में कटौती

71. यह निर्धारण करने के लिए कि क्या आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के साथ आयातों की पहुँच कीमत की तुलना की है। इस संबंध में उत्पाद के पहुँच मूल्य और सभी छूटों और करों को मिलाकर व्यापार के उसी स्तर पर घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों कारखाना बाह्य स्तर पर निर्धारित की गई थी। घरेलू कीमतों और कीमतों में कटौती का मार्जिन नीचे सारणी में दर्शाया गया है :

विवरण	राशि (भारतीय रूपया / मी. टन )
पहुँच मूल्य	***
घरेलू बिक्री कीमत	***
कीमत कटौती	(***)
पहुँच मूल्य के % के रूप में कीमत कटौती	(***)
कीमत कटौती रेंज %	(5) -5

72. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कीमत में कटौती नकारात्मक है लेकिन इसके लिए यह भी राय है कि एक समुचित जांच करने के लिए कीमत कटौती, कीमत में गिरावट और कीमतों में दमन की जांच के साथ की जाए और यह कि कीमत कटौती की ऐसी स्थिति में अलग से जांच न की जाए जहां पर घरेलू उद्योग को निरंतर अपनी कीमतों को आयातों के पहुँच मूल्य का मुकाबला करने के लिए घटाने पर बाध्य होना पड़ा। यदि घरेलू उद्योग अपनी कीमतों को नीचे लाकर आयातों पर प्रति कार्रवाई नहीं करता तो वह और भी ग्राहकों को खो देगा और क्षति और भी गहरी होगी।

### कम कीमत पर बिक्री

73. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग का कम कीमत पर बिक्री होने की भी जांच की है। इस प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी की आयातों की पहुँच कीमत के साथ तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की भारित औसत एनआईपी की आयातों की भारित औसत पहुँच कम कीमत के साथ तुलना की गई है, जो यह दर्शाती है :

विवरण	यूओएम	राशि
गैर- क्षति कीमत	रु./ मी. टन	***
पहुँच कीमत	रु./ मी. टन	***
कम कीमत पर बिक्री	रु./ मी. टन	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***
कम कीमत पर बिक्री	% रेंज	25 - 35

74. यह देखा गया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की पहुँच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित एनआईपी से काफी कम थी।

#### कीमतों पर दबाव/ गिरावट

75. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों में गिरावट आ रही है और क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों पर पर्याप्त मात्रा में दबाव पड़ रहा है अथवा कीमतों में वृद्धि को रोक रहा है, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में होती, प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान कीमत लागतों व कीमतों में बदलावों पर विचार किया है। स्थिति नीचे सारणी में दर्शाई गई है :

विवरण (रुपए प्रति मी. टन)	2012 -13	2013 -14	2014 -15	अप्रैल 2015 – दिसंबर, 2015	जांच की अवधि (जुलाई, 2015 - दिसं., 15)
निर्माण और बिक्री की लागत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	98	101	91	87
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	96	98	75	72
पहुँच मूल्य	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	98	89	74	73

76. यह नोट किया जाता है कि घरेलू बिक्री कीमत में गिरावट बिक्रियों की लागत में गिरावट की तुलना काफी अधिक है। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कीमत में संबद्ध देश से पाटित आयातों के पहुँच मूल्य की तुलना में काफी गिरावट आई है। इस प्रकार आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में बाजार में दबाव पड़ रहा था।

#### घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

77. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षा की गई है कि क्षति के निर्धारण में समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की एक उद्देश्यपरक जांच करना शामिल होगा। नियमों में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों का एक उद्देश्यपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा और इसमें बिक्रियों, लाभों, आउटपुट, बाजार अंश, उत्पादकता, निवेशों पर प्रतिफल अथवा क्षमता के उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की अवस्था पर प्रभाव डालने वाले संकेतक, घरेलू कीमतों को प्रभाव करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, वस्तु सूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश में वृद्धि की योग्यता

पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव शामिल होगा। घरेलू उद्योग को निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति का सामना करना पड़ा है। घरेलू उद्योग के संबंध में विभिन्न क्षति संबंधी मानदंड नीचे दिए गए हैं:

### उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

78. उत्पादन, घरेलू बिक्रियों, क्षमता और क्षमता उपयोग के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन इस प्रकार है:

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015 - दिसं., 2015 (क)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015 - दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
संस्थापित क्षमता (मी. टन)	1,833,660	2,452,140	2,599,022	2,746,936	1,372,404	2,744,809
कुल उत्पादन (मी. टन)	1,475,041	1,609,279	1,503,065	1,780,457	903,013	1,806,025
क्षमता उपयोग	80%	66%	58%	65%	66%	66%
घरेलू बिक्रियां	1,155,858	1,226,631	1,083,019	1,503,914	783,210	1,566,421

क. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादन में वृद्धि वर्ष 2012-13 में 1475041 मी. टन से बढ़कर जांच की अवधि (क) के दौरान 1806025 मी. टन हो गई है और संस्थागत क्षमता में वृद्धि उसी अवधि के दौरान 1,833,660 मी. टन से बढ़कर 2,744,809 मी. टन हो गई है।

ख. घरेलू उद्योग को क्षमता उपयोग में महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई है। घरेलू उद्योग 2012-13 के दौरान 80% का सर्वोत्तम क्षमता उपयोग प्राप्त कर पाया है। तथापि, इसमें जांच की अवधि के दौरान 66% की गिरावट आई है क्योंकि संबद्ध देश से पाटित आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई थी।

### लाभ, लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिफल और नकद लाभ

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015-दिसं., 2015 (क)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015-दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
लाभ (करोड़ रुपए में)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	63	44	(211)	(112)	(224)
लाभ (रु./ मी. टन)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	59	47	(162)	(165)	(165)
नकद लाभ (रु. करोड़)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	73	57	(148)	(79)	(158)
नकद लाभ (रु./ मी. टन)	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	69	61	(114)	(117)	(117)

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015-दिसं., 2015 (क)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
आरओसीई %	***	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	100	73	79	(54)	(30)	(60)

79. उपरोक्त सारणी से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि :

- क. घरेलू उद्योग की उत्पादकता और लगाई गई पूँजी पर प्रतिफल में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण काफी प्रभाव पड़ा है। उपरोक्त सारणी से यह देखा जा सकता है कि घरेलू उद्योग 2014-15 तक काफी लाभ अर्जित करता रहा था।
- ख. तथापि, जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश से काफी पाटन होने के कारण घरेलू उद्योग शामिल पूँजी पर एक तर्कसंगत प्रतिफल को एक तरफ करके अपनी विक्रियों की लागत को वसूलने में समर्थ नहीं रहा।
- ग. अतः यह निष्कर्ष निकाला गया है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योगों की उत्पादकता पर गहन प्रभाव पड़ा है।

#### बाजार अंश

80. घरेलू उद्योग के बाजार अंश पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है जो इस प्रकार है :

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	अप्रैल, 2015- दिसं., 2015 (क)	जांच की अवधि (जुलाई, 2015- दिसं., 15)	जांच की अवधि (क)
मांग ( मी. टन)	29,99,108	32,34,663	36,70,852	45,00,021	23,73,394	47,46,789
सूचीबद्ध	100	108	122	150	79	158
बाजार हिस्सा						
याचिकारक्ताओं का अंश	39%	38%	30%	33%	33%	33%
समर्थकों का अंश	21%	19%	18%	16%	15%	15%
अन्य उत्पादकों का अंश	29%	37%	29%	30%	29%	29%
संबद्ध देशों का अंश	5%	4%	21%	18%	21%	21%
अन्य देशों का अंश	7%	2%	3%	2%	2%	2%

81. उपरोक्त सारणी से प्राधिकारी ने यह पाया है कि भारत में घरेलू उद्योग के बाजार अंश में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने के बावजूद गिरावट आई है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देश से आयातों को बाजार अंश में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इसका कारण यह है कि आयातों ने मांग में वृद्धि को कब्जा लिया है।

82. घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के अनुसार विचाराधीन उत्पाद की बिक्री में वृद्धि नहीं कर पाया है क्योंकि संबद्ध देश से आ रहे पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है।

### वस्तु सूची

विवरण	2012-13	2013-14	2014-15	जांच की अवधि (जुलाई, 2015-दिसं., 15)
औसत वस्तु सूची (मी. टन)	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	99	121	187

83. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास पर्याप्त मात्रा में वस्तु सूची इकट्ठी हो रही है। आधार वर्ष की तुलना में वस्तु सूची के स्तर में वृद्धि हुई है। बढ़ते आयातों के कारण, घरेलू उद्योग के बाजार अंश में गिरावट आई है और आयातों ने बढ़ी हुई मांग को कब्जा लिया है। परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग अपने उत्पादन और बिक्री में वृद्धि कर पाने में असमर्थ रहा, जिससे जांच की अवधि के दौरान वस्तु सूची इकट्ठी होने की स्थिति आ गई है।

### वृद्धि

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	जांच की अवधि (क)
उत्पादन की लागत	%	-2%	3%	-14%
बिक्री कीमत	%	-4%	2%	-27%
लाभ/हानि प्रति इकाई	%	-41%	-20%	-448%
शामिल पूँजी पर प्रतिफल	%	-27%	9%	-176%

84. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षमता उपयोग, लाभ, निवेश पर प्रतिफल, नकद लाभ के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक रही है।

### पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता

85. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि देश में उत्पाद की बढ़ती मांग को देखते हुए घरेलू उद्योग ने संयंत्र और मशीनरी में महत्वपूर्ण निवेश किया है। तथापि, इन निवेशों के बावजूद घरेलू उद्योग के निष्पादन में पर्याप्त गिरावट आई है और आगे निवेश पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

### पाटन और पाटन मार्जिन का स्तर

86. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से आयात पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश कर रहे हैं और यह कि पाटन का मार्जिन महत्वपूर्ण है।

### घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

87. संबद्ध देश से आयात की कीमतों की जांच, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्द्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक, जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करते हैं, इत्यादि

से यह पता चलता है कि संबद्ध देश से आयातित सामग्री का पहुँच मूल्य घरेलू उद्योग की गैर-क्षतिकारी कीमत से कम है, जिससे भारतीय बाजार में कम कीमत पर बिक्री हो रही है। इस प्रकार, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का पहुँच मूल्य शामिल है।

### क्षति के संबंध में निष्कर्ष

88. इस प्रकार यह देखा गया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में सापेक्ष अर्थों में काफी वृद्धि हुई है। आयातों में भारत में उत्पाद आयातों में भारत में उत्पाद की खपत और उत्पादन के संबंध में पर्यास वृद्धि हुई है। इस प्रकार से आयातों में सापेक्ष अर्थों में और भारत में उत्पादन व खपत के संदर्भ में, दोनों में वृद्धि हुई है। पाटित आयातों में कीमत संबंधी दबाव और गिरावट के संदर्भ में महत्वपूर्ण कीमत संबंधी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। पाटित आयातों के प्रभाव संबद्ध वस्तुओं की घरेलू कीमतों को कम करने के लिए हैं। कम कीमत वाले पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को ऐसी बाजार कीमत रखने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे यहां तक कि उनकी अपनी लागत भी कवर नहीं हो पाई। घरेलू उद्योग के समक्ष महत्वपूर्ण कम कीमत पर बिक्री की समस्या आ रही है। भारत में आ रहे कम कीमत के पाटित आयातों के कारण महत्वपूर्ण कीमत संबंधी दबाव और गिरावट आ रही है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारण पाटन मार्जिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों का क्षमता उपयोग, वस्तु-सूची, बाजार अंश, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर प्रतिफल के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और लगी पूँजी पर प्रतिफल पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग 2014-15 तक अपनी पूँजी पर प्रतिफल और उचित लाभ अर्जित कर रहा था। तथापि, जांच की अवधि के दौरान लाभ और प्रतिफल हानि में परिवर्तित हो गया। इस प्रकार, प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुँच हैं कि घरेलू उद्योग को सामग्री क्षति का सामना करना पड़ा है।

### कारणात्मक संबंध

89. प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या अन्य कारक, जो पाटनरोधी नियमावली के तहत सूचीबद्ध हैं, ने घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान दिया है। घरेलू उद्योग को पाटन और सामग्री क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच की गई है, जो इस प्रकार है :

### तीसरे देशों से आयात

90. संबद्ध देशों के अलावा अन्य देशों से आयात मात्रा के संदर्भ में इतने महत्वपूर्ण नहीं है, जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति अथवा क्षति की आशंका हो। इसके अलावा, जिस कीमत पर वस्तुएं अन्य देशों से आ रही हैं, वे संबद्ध देश से आ रही वस्तुओं की कीमत से काफी अधिक पर हैं।

### मांग में संकुचन

91. संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति दर्शाई गई है। तदनुसार, मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति के लिए कारण नहीं हो सकता। वास्तव में घरेलू उद्योग अपनी बिक्री और बाजार अंश में मांग में वृद्धि के अनुरूप वृद्धि नहीं कर पाया।

### विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया और प्रतिस्पर्द्ध

92. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रिया नहीं है, जिसने कि घरेलू उद्योग को क्षति के लिए योगदान दिया है।

### प्रौद्योगिकी में विकास

93. संबंधित उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। इस प्रकार से, प्रौद्योगिकी में बदलाव घरेलू उद्योग को क्षति होने के लिए एक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता।

### खपत की पद्धति में परिवर्तन

94. घरेलू उद्योग वस्तुओं की ऐसी टाइप का उत्पादन कर रहा है जो भारत में आयातित की गई है। खपत की पद्धति में सम्भव परिवर्तन ऐसा कारक नहीं है जो घरेलू उद्योगों को क्षति पहुँचाने कारण हो सके।

### निर्यात निष्पादन

95. घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभव महत्वपूर्ण परिवर्तन के कारण है। वास्तव में घरेलू उद्योग के निर्यातों में पर्याप्त गिरावट नहीं आई है। किसी भी तरह से प्राधिकारी ने घरेलू निष्पादन को घरेलू उद्योग को केवल क्षति का आकलन करने के लिए आवश्यकतानुसार विचार किया है।

### अन्य उत्पादों के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन

96. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री किए जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन से प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के निष्पादन के लिए किए गए आकलन पर प्रभाव द्वारा विचार की गई सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में है।

### घरेलू उद्योग की उत्पादकता

97. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादकता में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का कारण नहीं है।

### कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

98. घरेलू उद्योग के निष्पादन का क्षति अवधि के दौरान का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में वास्तव में संबद्ध देश से पाठित आयातों के कारण गिरावट आई है। पाठित आयातों और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच कारणात्मक संबंध निम्नलिखित आधार पर प्रमाणित हैं :

- संबद्ध वस्तुओं के आयात में जांच की समग्र अवधि के दौरान सापेक्ष अर्थों में वृद्धि हुई है।
- संबद्ध वस्तुओं के आयातों में भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में वृद्धि हुई है।
- घरेलू उद्योग के बाजार अंश में भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि होने के बावजूद गिरावट आई है। दूसरा कारण, यह है कि आयातों ने मांग पर तेजी से कब्जा कर लिया है।
- घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के अनुरूप अपने उत्पादन और विक्रियों में वृद्धि नहीं कर पाया।
- घरेलू उद्योग की वस्तु-सूची बढ़ रही है क्योंकि घरेलू उद्योग मांग में वृद्धि के बावजूद अपनी विक्रियों में वृद्धि नहीं कर पाया। आयातों ने भारत में मांग पर तीव्रता से कब्जा कर लिया है।
- भारत में आ रहे कम कीमत के पाठित आयातों के कारण कीमतों में काफी गिरावट और दबाव पड़ रहा है।
- घरेलू उद्योग की लाभप्रदता और लगी पूंजी पर प्रतिफल पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। यदि इस तथ्य से स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग 2014-15 तक लगी पूंजी पर पर्याप्त लाभ और प्रतिफल प्राप्त करता रहा था। तथापि, जांच की अवधि के दौरान लाभ और प्रतिफल में नुकसान शुरू हो गया।

99. उपरोक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग भारत में विचाराधीन उत्पाद के पाठित आयातों में वृद्धि के कारण वास्तव में क्षति का सामना कर रहा है। घरेलू उद्योग के समक्ष संबद्ध वस्तुओं के पाठित आयातों और वास्तविक क्षति में वृद्धि के बीच एक सशक्त संबंध मौजूद है।

### क्षति और कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

100. क्षति और कारणात्मक संबंध की उपरोक्त जांच से प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाठन के परिणामस्वरूप क्षति का सामना करना पड़ा है। संबद्ध देश से पाठित आयातों की मात्रा में पूरी क्षति अवधि के दौरान सापेक्ष अर्थों में और भारत में उत्पादन व खपत के संबंध में एक महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। पाठित आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों पर पर्याप्त प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। संबद्ध देश के लिए पाठन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे पर्याप्त माना गया है। संबद्ध देश से पाठित आयातों का उत्पादन, बिक्री, तथा क्षमता उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। घरेलू उद्योग को बाजार अंश में पर्याप्त गिरावट आई है जबकि संबद्ध आयातों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई

है। घरेलू उत्पाद के निष्पादन में लाभ, नकद लाभ तथा निवेशों पर प्रतिफल के संबंध में महत्वपूर्ण गिरावट आई है। प्राधिकारी अनंतिम रूप यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से पाटित आयातों के परिणामस्वरूप काफी क्षति का सामना करना पड़ा है।

101. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षति कीमत का निर्धारण किया है और क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्रतिवादी निर्यातकों के संबद्ध आयातों के पहुँच मूल्यों के साथ तुलना की है, संबद्ध देश में अन्य उत्पादकों और निर्यातकों के संबंध में भारत के पहुँच मूल्य का निर्धारण बेहतर उपलब्ध सूचना के आधार पर करते हैं। क्षति मार्जिन का निर्धारण इस प्रकार किया गया है :

### क्षति मार्जिन

क्रम सं.	देश	उत्पादक	निर्यातक	एनआईपी	लदान मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेज %
1.	चीन जन. गण.	माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि.	माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट कं. लि.	***	***	***	***	35-45
2.	चीन जन. गण.	अन्य सभी	अन्य सभी	***	***	***	***	60-70

102. यथानिर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का स्तर महत्वपूर्ण माना गया है।

#### छ. भारतीय उद्योग के हित और अन्य लाभ

103. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पद्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके, जो कि देश के सामान्य हत में है। पाटनरोधी उपाय करने से संबद्ध देश से आयात किसी भी तरह से सीमित नहीं होंगे और इसीलिए उपभोक्ताओं को उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
104. यह माना गया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं का उपयोग करके निर्मित उत्पाद के कीमत स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पद्धात्मक पर प्रभाव पड़ सकता है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि प्रस्तावित शुल्क लगाने से उपभोक्ताओं के लिए व्यर्थ ही लागत का प्रभाव पड़ेगा। अतः भारतीय बाजार में स्वच्छ प्रतिस्पद्धा में पाटनरोधी उपायों से कमी नहीं आएगी, विशेषकर, यदि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए आवश्यकराशि की सीमा तक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की प्रक्रियाओं से प्राप्त अनुचित लाभों को हटाया जाएगा, जिससे घरेलू उद्योग को गिरावट से बचाया जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक चयन की उपलब्धता को बनाए रखने में मदद मिलेगी।

#### ज. सिफारिश

105. किए गए अनुरोधों तथा उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि :
- क. विचाराधीन उत्पाद को संबद्ध देश से भारत को सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग को संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है।
106. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच आरंभ की गई थी और सभी पक्षकारों को इसके संबंध में अधिसूचित किया गया था। निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध

के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त समय दिया गया था। पाटनरोधी नियमावली के संदर्भ में पाटन, क्षति और तत्संबंधी कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करके और पूरी करने पर तथा पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को एक सकारात्मक पाटन मार्जिन और सामग्री क्षति प्रमाणित करते हुए प्राधिकारी का यह विचार है कि पाटन और क्षति को दूर करने के लिए अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है।

107. कम शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी कम किए गए पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन के समान अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, प्राधिकारी संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर केंद्र सरकार द्वारा अस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध वस्तुओं के पहुँच मूल्य और नीचे दी गई शुल्क सारणी के कॉलम 8 में उल्लिखितानुसार राशि के बीच के अंतर के रूप में अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, बशर्ते कि पहुँच मूल्य कॉलम 8 में उल्लिखित मूल्य से कम हो। इस प्रयोजन के लिए आयोतों का पहुँच मूल्य का लागू स्तर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9, 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1962 के तहत यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा।

### शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	यूनिट	करेंसी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7213 और 7227	आयरन अथवा गैर-धातु स्टील अथवा धातु स्टील के हॉट रोल्ड, अनियमित वाउंड कॉइल बार और रॉड, निम्नलिखित के सिवा (i) बार और रॉड, जिनमें खंरोच, रिब्स, खांचे अथवा रोलिंग प्रक्रिया के दौरान उत्पादित हुए अन्य विकृति के उत्पाद शामिल हैं जो टैरिफ मद 72131090 (जिसे सामान्यतः रिबार और टीएमटी बार के रूप में जाना जाता है) के अंतर्गत आते हैं, (ii) स्टेनलैस स्टील के बार व रॉड, जो टैरिफ मद 7221 में आते हैं, (iii) हाई स्पीड	चीन जन गण	चीन जन गण	माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट क. लि.	माइनमेटल्स यिंगकोऊ मीडियम प्लेट क. लि.	499	मी. टन	यूएस डालर

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूल देश	नियातिक देश	उत्पादक	नियातिक	राशि	यूनिट	करेसी
		स्टील की बार और रोड, जो टैरिफ मद 72271000 के अंतर्गत है।							
2.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण	क्रम सं. 1 के अलावा कोई अन्य संयोजन	538	मी. टन	यूएस डालर	
3.	- वही -	- वही -	चीन जन गण	चीन जन गण के अलावा कोई अन्य कोई देश	कोई	कोई	538	मी. टन	यूएस डालर
4.	- वही -	- वही -	चीन जन गण के अलावा कोई अन्य कोई देश	चीन जन गण	कोई	कोई	538	मी. टन	यूएस डालर

### झ. अन्य प्रक्रिया

108. प्रारम्भिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करना होगा:-

- क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन अस्थायी परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और प्राधिकारी के द्वारा प्रासंगिक समझे गए इन परिणामों को अंतिम जांच परिणाम में माना जाएगा।
- ख. नियातिक, आयातक, आवेदक और संबद्ध माने गए अन्य हितबद्ध पक्षकारों पर प्राधिकारी द्वारा अलग से विचार किया जा रहा है, जो इन प्रारंभिक जांच परिणामों के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इन परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रकट कर सकता है।
- ग. प्राधिकारी जरूरी समझी गई सीमा तक आगे जांच करेंगे।
- घ. अंतिम जांच परिणामों की घोषणा करने से पूर्व प्राधिकारी पाठनरोधी नियमावली के अनुसार अनिवार्य तथ्यों को प्रकट करेंगे।

ए. के. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th September, 2016

**Preliminary Findings**

**Subject :** Anti-dumping investigation concerning imports of “Wire Rod of Alloy or Non- Alloy Steel” originating in or exported from China PR.

**No. 14/17/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

2. Whereas M/s Steel Authority of India Limited, M/s Rashtriya Ispat Nigam Limited, M/s Usha Martin Limited and M/s JSW Steel Limited (hereinafter referred to as the “applicants” or “petitioners” or “domestic industry”) have jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Act and the AD Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Wire Rod of Alloy or Non-Alloy steel” (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as the subject country), alleging dumping and consequent injury and requested for levy of anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject country.
3. And whereas the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No.14/17/2016-DGAD dated 02.06.2016, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5 of the AD Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**A. PROCEDURE**

4. The procedure described below has been followed:
  - a. The Authority notified the embassy of subject country in India about the receipt of application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Rule 5(5) of the AD Rules.
  - b. The Authority sent a copy of initiation notification to the embassy of subject country in India, known producers/ exporters form the subject country and known importers/ users/ associations of the subject goods as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.
  - c. The Authority forwarded a copy of the non-confidential version of application to embassy of the subject country in India, known producers/exporters form the subject country in accordance with the AD Rules. A copy of the application was also provided to other interested parties, wherever requested.
  - d. The embassy of the subject country in India was also requested to advise the producers/exporters from their country to file their responses within the prescribed time limits.
  - e. The Authority sent exporter’s questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in the subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
    1. Jiuquan Iron & Steel (Group) Co. Ltd.
    2. Handan Iron & Steel Group Co. Ltd.
    3. Lianyuan Iron & Steel Group Co. Ltd.
    4. Baosteel Group Corp
    5. Wuhan Iron & Steel (Group) Corp.
    6. Benxi Iron & Steel (Group) Special Steel Co Ltd.
    7. Lingyuan Iron & Steel (Group) Co. Ltd.
    8. Shougang Changzhi Iron & Steel Ltd.
    9. Hangzhou Iron & Steel Group Company
    10. Anfeng Steel Structure Materials Co. Ltd.
    11. Tianjin Xuboyuan Iron & Steel Trading Co. Ltd.
  - f. In response to the initiation notification, the following exporters/producers from the subject country and traders have filed exporter’s questionnaire:
    1. Jiangsu Shagang Material Trade Co. Ltd. (Exporter)
    2. B&L Metal (HK) Limited (Exporter)
    3. Jinagsu Runzhong High Tech Co. Ltd (Producer)
    4. Zhangjiagang Shajing Steel Co. Ltd. (Producer)

5. Zhangjiagang Hongxing Gaoxian Co. Ltd (Producer)
6. Zhangjiagang Rongsheng Steel Making Co. Ltd. (Producer)
7. Jinagsu Shagang International Trade Co. Ltd. (Exporter)
8. B&L International Investment Co. Ltd.
9. Zhangjiagang Hongchang Gaoxian Co. Ltd.(Producer)
- 10.Zhangjiagang Runzhong Steel Co. Ltd. (Producer)
- 11.Xinsha International Pte. Ltd. (Exporter)
- 12.Minmetals Yingkou Medium Plate Co. Ltd. (Producer)
- 13.Sinomaterial International Co. Ltd. (Exporter)
- 14.Manuchar Steel Hong Kong Limited Exporter
- 15.Burwill Resources Limited (Exporter)
- 16.Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd. (Producer)
- 17.Genesis Resources Co. Ltd (Hong Kong)
- 18.Smart Timing Steel Limited (Exporter)
- 19.Toptip Holding Pte. Ltd. (Exporter)
- 20.Zenith Steel Group Co. Ltd. (Producer)
- 21.Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Limited (Exporter)
- 22.Unisteel International DMCC (Exporter)
- 23.Win Faith Trading Limited (Exporter)
- 24.Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited (Exporter)
- 25.Benxi Beiyang Iron and Steel Group Imp. And Exp. Corp. Ltd. (Exporter)
- 26.Benxi Beitai Gaosu steel Wire Rod Co. Ltd. (Producer)
- 27.Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Limited (Exporter)
- 28.Jiangyin Xingcheng Alloy Material Co., Ltd (Producer)
- 29.Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd

g. Further, the following exporters/traders have filed only Appendix-2 and 3A instead of filing the complete questionnaire response.

1. Hong Kong Grand International Co. Ltd.
2. Hyosung Corporation
3. Steelco Pacific Trading Limited
4. Steelforce Far East Ltd.
5. Tata International Metals (Asia) Limited
6. Unisteel International DMCC (Separately filed)

h. None of the producers/exporters from China PR has claimed Market Economy Treatment (MET) rebutting the non-market economy treatment in the present investigation.

i. Questionnaires were sent to the following known importers/users of the subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

1. A.A. International
2. Aggarwal Impex
3. D.P. Wires Pvt. Ltd.
4. Garg Inox Ltd.
5. H.D. Wires Pvt. Ltd.

6. Indian Wire & Steel Products
7. J.S. Industries Pvt. Ltd.
8. Kadimi Special Steels Pvt. Ltd.
9. Lakshmi Card Clothing Mfg. Co. Pvt. Ltd.
10. Makalu Trading Ltd.
11. Nirmal Wires Pvt. Ltd.
12. Oceanic Overseas
13. Pankaj Steel Corporation
14. R.K. Steels
15. Sterling Tools Ltd.
16. Transnational
17. Uday Industries
18. V.N.C. Electrodes
19. Vidhi Impex
20. Weldwell Electrodes
21. Yatin Steels India Pvt. Ltd.
22. Zarhak Steels Ltd.

j. The following importers/users of the subject goods have responded in the form of questionnaire responses:

1. Apar Industries Limited
2. Rajratan Global Wire Ltd.
3. National Engineering Industries Limited
4. Indian Wire & Steel Products
5. FAG Bearings India Limited

k. Further, the following parties have filed submissions/comments on the initiation notification.

1. National Engineering Industries Limited
2. Ball & Roller Bearing Manufacturers Association of India
3. Steel Wire Manufacturers Association of India (SWMAI)
4. Jiangyin Xincheng Alloy Material Co. Ltd. and Jiangyin Xincheng Special Steel Works Co. Ltd.
5. FAG Bearings India Limited

l. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties. Submissions made by all interested parties to the extent relevant have been taken into account in present findings.

m. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

n. Further information was sought from the applicants and other interested parties to the extent deemed necessary.

o. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.

p. The Non-Injurious Price (hereinafter referred to as 'NIP') based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-Dumping Rules has been

worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

- q. Considering the fact that the subject goods are being imported in various grades (alloy or non-alloy etc.)/ sizes/ dimensions, the applicants have also proposed Product Control Numbers (PCNs) in order to make a PCN to PCN comparison for computing the dumping margin and injury margin. However, for the purpose of preliminary findings, the Authority has not adopted PCN to PCN comparison.
- r. Verification of the information provided by the applicant domestic industry was carried out by the Authority to the extent deemed necessary. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of present preliminary findings.
- s. Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> July 2015 to 31<sup>st</sup> December 2015 (6 months) (hereinafter referred to as the ‘period of investigation’ or the ‘POI’). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2012-13, 2013-14, 2014-15, April 2015 to December 2015 and the POI.
- t. The petitioners had submitted the petition alleging dumping of the subject goods from the subject country relying upon transaction wise imports data sourced from IBIS. However, request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction wise details of the imports of the subject goods for the past three years, including the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data in the preliminary findings and the same has been placed in the public file.
- u. Arguments raised and information provided by various interested parties during the course of the investigation, to the extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority in the preliminary findings.
- v. Exchange rate for conversion of USD to INR is considered for the POI as INR 65.93 as per customs data.
- w. In this notification \*\*\* represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

## B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 5. The product under consideration in the present investigation is bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, of iron or non-alloy steel or alloy steel (commonly known as “Wire Rods”). These products are of prime and non-prime category and in all sizes. These products conform to various qualities of steels including but not limited to electrode, free cutting, forging, cold heading, low / medium / high carbon steels, drawing, ball bearing steel, case hardening steel, spring steel, corrosion resistant steel, weathering steel, structural steel and many more qualities of steel.
- 6. The following products are not included in the scope of the product under consideration:
  - (i) Bars and rods containing indentations, ribs, grooves or other deformations produced during the rolling process falling under Tariff Item 72131090 (commonly known as rebars or TMT bars).
  - (ii) Bars and rods of Stainless steel falling under Tariff Heading 7221.
  - (iii) Bars and rods of High speed steel falling under Tariff Item 72271000.
- 7. The PUC is used in many applications and sectors such as fasteners including nuts and bolts, nails, binding wire for construction industry, welding electrodes, railway sleepers, springs, automotive components, wire mesh, general engineering, armoured cables etc.
- 8. The PUC is classified under Custom Tariff Heading 7213 and 7227. The Customs classification is indicative only in no way binding on the scope of the present investigation.

### **Submissions made by Exporters, Importers, Users and other interested parties**

- 9. Submissions made by exporters, importers, users and other interested parties with regard to issues related to PUC and considered relevant by the Authority are as follows:
  - a. There is no ‘like article’ being produced by the applicants. Domestic Industry (DI) is not able to meet some of the quality parameters required to be covered for producing high quality “Bearings”. Although the domestic steel producers are able to produce steel with oxygen level > 10 PPM, they are not capable of fulfilling requirements where oxygen level to be maintained in steel is less than 6-8 PPM.
  - b. There is only one manufacturer of ‘bearing grade wires/wire rods’ in India, namely, Mukand Limited. Even Mukand Ltd. is not able to fulfill the product requirements. Moreover, Mukand Limited is also not an interested party requesting imposition of anti-dumping duty. HS Codes 72283019, 72283029, 72299090, 72279030, 72279040 and 72279090 should be excluded from the purview of the investigation. “Bearing Grade” should be kept outside the scope of the subject investigation and duty should not be recommended on the imports of

“bearing grade bars and wire rods” falling under Indian HS Classification 7227, 72279030, 72279040 and 72279090.

- c. It is submitted that the manufacturing process of wire rods of Tariff Heading 7213/7214 and bars of Tariff Heading 7227/7228 are different and requires different set of machinery. Thus, 7214 and 7228 are not like articles and, therefore, beyond the subject matter of this investigation.
- d. The PUC defined is extremely vague, wide and amorphous. It includes all sizes of wire rods including those which are not manufactured by the DI. As per the product brochure JSW is capable of manufacturing wire rods other than bearing steel of size up to 22 mm diameter. RINL is not capable of manufacturing wire rods of sizes more than 14 mm. Scope of PUC must be limited for size upto 14 mm diameter and not all sizes.
- e. 100Cr6 grade alloy steel bars which is equivalent to SAE 52100 grade is not produced by the applicants and cannot be included in the product scope.

#### **Submissions made by Domestic Industry**

10. The submissions made by the Domestic Industry and considered relevant by the Authority are as follows:
  - a. DI has submitted that they have the capability to manufacture and are manufacturing wire rods of ball bearing quality falling under tariff item 7227 9030 and wire rods of cold heading quality falling under tariff item 7227 9040. Therefore, the claim of the interested parties for exclusion of these grades is unwarranted.
  - b. DI has submitted that the present application relates to wire rods in coil form falling under tariff heading 7213 and 7227 of the customs tariff. The present application does not cover bars and rods in straight length falling tariff heading 7214 and 7228. Therefore, the claim of the interested parties for exclusion of bar and rods falling under tariff heading 7214 and 7228 does not make any sense.
  - c. DI has submitted that the claim of the interested parties for exclusion of wire rods falling under tariff item 7227 9090 cannot be entertained unless the interested parties specify the exact grade for which exclusion is required. Tariff item 7227 9090 is residual heading (“Others”) and covers a broad range of products within its ambit.
  - d. DI has submitted that the claim of the interested parties for exclusion of products falling under tariff item 7229 9090 does not make any sense because tariff heading 7229 pertains to “wire of other alloy steel”. The present application relates to wire rods and not wire.
  - e. The DI has submitted that the claim of interested parties for restricting the scope of PUC upto 14mm diameter cannot be entertained because the domestic industry has the capability to manufacture the subject goods of more than 14mm diameter as and when orders are placed on them. In fact, the interested parties have failed to demonstrate that they require PUC of more than 14mm diameter and that they have placed orders of higher diameter with DI but the DI has failed to supply the same. In the absence of such information from the interested parties there is no basis of restricting the scope of PUC upto 14mm diameter.
  - f. DI has submitted that they have the capability to manufacture and are manufacturing wire rods with oxygen level less than 6-8 PPM.
  - g. DI has submitted that they have the capability to manufacture and are manufacturing wire rods of 100Cr6 grade alloy steel.

#### **Examination by the Authority**

11. The submissions made by the interested parties and the domestic industry with regard to the PUC related issues and considered relevant by the Authority are examined and addressed hereunder.
12. With regard to the contention of the interested parties for exclusion of certain products from the scope of the PUC, the Authority is provisionally unable to accept the claims of the interested parties due to following reasons:
  - i. DI has the capability to manufacture and are manufacturing wire rods of ball bearing quality falling under tariff item 7227 9030 and wire rods of cold heading quality falling under tariff item 7227 9040.
  - ii. The present application relates to wire rods in coil form falling under tariff heading 7213 and 7227 of the customs tariff. The present application does not cover bars and rods in straight length falling tariff heading 7214 and 7228.
  - iii. Tariff item 7227 9090 is residual heading (“Others”) and covers a broad range of products within its ambit. The claim of the interested parties for exclusion of wire rods falling under tariff item 7227 9090 cannot be entertained unless the interested parties specify the exact grade for which exclusion is required.
  - iv. The claim of the interested parties for exclusion of products falling under tariff item 7229 9090 does not make any sense because tariff heading 7229 pertains to “wire of other alloy steel”.

- v. The claim of interested parties for restricting the scope of PUC upto 14mm diameter cannot be entertained because the domestic industry has the capability to manufacture the subject goods of more than 14mm diameter. The interested parties have failed to demonstrate that they have placed orders of higher diameter with DI and DI has failed to supply the same.
  - vi. DI has the capability to manufacture and is manufacturing wire rods with oxygen level less than 6-8 PPM.
  - vii. DI has the capability to manufacture and is manufacturing wire rods of 100Cr6 grade alloy steel.
13. As regards the contention that the PUC is too broad and vague, the Authority notes that the PUC has been appropriately defined keeping in view the imports from the subject country and production and supply position of the domestic industry. The Authority has thoroughly examined the contentions by all parties before arriving at the product scope.
14. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD Rules provides as follows: -"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation. On the basis of information on record and considering the submissions made by the interested parties, the Authority provisionally holds that there is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and those imported from the subject country. The two are comparable in terms of physical characteristics, manufacturing process, functions and uses, product specifications, distribution and marketing, and tariff classifications of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers use the two interchangeably. The Authority provisionally holds that the products manufactured by the applicants constitute like article to the subject goods being imported into India from the subject country.

### C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

#### Submissions made by Exporters, Importers, Users and other interested parties

15. Submissions made by exporters, importers, users and other interested parties with regard to issues related to standing of the domestic industry and considered relevant by the Authority are as follows:
- a. The Applicant producers constitute mere 40% of the total domestic production and do not satisfy Rule 2(b) of the AD Rules. The Authority must elicit information in relation to production of other producers from the Central Excise Commissionerate. A 40% share of the total production can in no way confer to the requirement of Rule 2(b). Injury examination based on 40% domestic production would give a skewed picture of injury and the Authority should consider calling for more producers to make the share at least 50%.
  - b. Two supporters, namely, Tata Steel Ltd and Jindal Steel and Power Ltd have supported the application but no disclosure has been made regarding the information relating to imports of the PUC by the aforesaid supporters. The support letters were given prior to filing of the application. Rule 5(3) makes it apparent that any support to the application can be made only after filing of the said application before DGAD.
  - c. Usha Martin Limited cannot be included in the scope of the 'domestic industry' as Usha Martin is one of the importer of subject goods at Page 93 of the Application.

#### Submissions made by Domestic Industry

16. Submissions made domestic industry are as under:

- a. The mentioning of name of M/s Usha Martin Limited on page 93 of the application under the list of known importers is merely a clerical mistake. M/s. Usha Martin has not imported the subject goods during the POI as is evident from the certificate provided by M/s Usha Martin Limited along with the application filed with the Authority.
- b. There is no provision under the AD Rules which mandates that the domestic producers having a share of more than 50% of total Indian production have to necessarily participate for seeking levy of antidumping duty.

#### Examination by Authority

17. Rule 2 (b) of the AD rules defines the domestic industry as under:

*"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"*

18. The application has been filed M/s Steel Authority of India Limited, M/s Rashtriya Ispat Nigam Limited, M/s Usha Martin Limited and M/s JSW Steel Limited. The production of the aforesaid four producers accounts for a major proportion of the total domestic production. The application has also been supported by two domestic producers, namely, Tata Steel Limited and Jindal Steel and Power Limited.
19. With regard to imports by M/s Usha Martin Limited, it is noted by the Authority that M/s. Usha Martin Limited has not imported the subject goods during the POI as is evident from the certificate provided by M/s Usha Martin Limited along with the application filed with the Authority. The mentioning of the name of M/s Usha Martin Limited by DI on page 93 of the application under the list of known importers is merely a clerical mistake as admitted by the DI.
20. With regard to the issue that the Applicant producers constitute mere 40% of the total production in India and do not satisfy the requirement under Rule 2(b) the AD Rules, the Authority notes that the domestic industry means the domestic producers whose collective output constitutes a major proportion of the total domestic production. The phrase used is “major proportion” not “majority proportion”. There is no express requirement that the Applicants must constitute 50% or more of the total domestic production in order to have a major proportion. There are judicial precedents providing that less than 50% of the total production would satisfy the requirement of major proportion under the Rules.
21. Explanation to Rule 5 of the AD Rules states that the application shall be deemed to have been made by or on behalf of the domestic industry, if it is supported by those domestic producers whose collective output constitutes more than fifty per cent of the total production of the like article produced by that portion of the domestic industry expressing either support for or opposition, as the case may be, to the application. The Authority notes that there is no opposition to the present application from any domestic producers of the subject goods in India.
22. The Authority further notes that the share of petitioners along with supporters is 65% of the total Indian production of Wire Rods as shown in the table below.

Particulars in MT	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (July 2015- Dec 15)	POI (A)
Petitioners						
Rashtriya Ispat Nigam Limited	***	***	***	***	***	***
Steel Authority of India Limited	***	***	***	***	***	***
JSW Steel Ltd	***	***	***	***	***	***
Usha Martin Ltd	***	***	***	***	***	***
Petitioners' Total Production	1,475,041	1,609,279	1,503,065	1,780,457	903,013	1,806,025
Supporters' Total Production	1,006,800	1,037,081	1,034,350	1,102,147	556,268	1,112,536
Other Producers	1,093,862	1,571,108	1,461,719	1,603,483	781,159	1,562,317
Total Domestic production	3,575,703	4,217,468	3,999,134	4,486,087	2,240,439	4,480,879
Share of Petitioners	41%	38%	38%	40%	40%	40%
Share of Petitioners and Supporters	69%	63%	63%	64%	65%	65%

23. The Authority, therefore, holds that the applicants command a major proportion of the production of the subject goods in India and for the purpose of this investigation the applicants satisfy the standing requirement in terms of Rule 5(3) and constitute the domestic industry in terms of Rule 2(b) of the AD Rules.

#### D. MISCELLANEOUS ISSUES RAISED BY INTERESTED PARTIES.

24. Miscellaneous submissions made by various interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:
- The Authority did not issue notice to all the interested parties including the Association as soon as it was satisfied that there was sufficient evidence to justify initiation. This is in contravention of Article 12.1 of the ADA. The Authority failed to disclose the Application to the domestic producers in India for seeking opposition to the application as mandated under AD Rules.

- b. The subject goods are largely consumed captively by the producers. The Authority is requested to collect the same data from the petitioners.
  - c. The PUC includes wide range of products which vary significantly in terms of price and cost. The DI has resorted to excessive confidentiality. The costing and price information provided by the DI hampers provision of any meaningful comments.
  - d. Ball and Rolled Bearing Manufacturers Association has submitted that there is a wide difference between the quantum of imports reported by the applicants and the data sorted by the Association. It is requested to submit the details of imports considered for determination of the PUC. Applicants have relied on IBIS data which is not authenticated by DGCIS who is mandated official organization for collection, compilation and dissemination of India's trade statistics and commercial information.
  - e. The POI and injury period is a deviation from all the past practices adopted by the Authority. The POI in the subject investigation is taken for a period of six months which is contrary to the WTO Anti-dumping Committee recommendation (G/ADP/6, adopted by the Committee on 5 May 2000). The Authority is requested to consider extending the POI upto June 2016. The POI selected is inconsistent with the Trade Notice No. 2/2004. There is an absolute overlap between the POI and April, 15 to December, 15 period which is provided as one of the previous years for comparisons.
  - f. There is no history of dumping of the subject goods as no such investigation has ever been initiated in India. Therefore, retrospective duty cannot be levied in the present investigation due to the absence of any history of dumping.
  - g. Initiation of investigation is bad in law due to misleading data furnished by the applicants and improper evaluation of data by the Authority.
25. Miscellaneous submissions made by the Domestic Industry and considered relevant by the Authority are as follows:
- a. Section 9A (3) of the Act is with reference to history of dumping of the product. The Petitioners request the Authority to recommend retrospective levy of anti-dumping duty on the subject goods because the conditions for retrospective levy of antidumping duty are fully satisfied.
  - b. There is evidence of dumping of the subject goods which is evident from the fact that many countries including Australia, Canada, EU, USA, etc. have initiated anti-dumping investigation against the import of Wire Rods from China PR. Massive dumping of PUC into India has taken place in a relatively short period of time causing injury to the domestic industry.
  - c. Exporters are well aware that they are resorting to dumping which is causing injury to the domestic industry since import prices of PUC have reduced significantly as evident from the landed values for the subject country.

#### **Examination by the Authority**

26. Miscellaneous submissions made by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:
- a. As regards the submission that Authority has not issued notice to all the interested parties, it is the practice of the Authority to intimate only known parties at the time of initiation. Further, under Article 12.1, the Authority is required to inform interested parties known to the investigating authorities. Further, any other interested party, which is not known to the Authority at the time of initiation, can submit its request and get non confidential version of the application.
  - b. With regard to the issue of captive consumption, the Authority has already collected the same from the applicants.
  - c. With regard to the issue of that the PUC covers wide range of products which vary in terms of price and cost, the Authority notes that PUC is wire rods which are manufactured in various grades and sizes. Due to availability of PUC in various grades and sizes, there is difference in price and cost. Therefore, there is no merit in the submission of the interested parties.
  - d. The Authority notes that the production quantity figures have been sourced from the JPC data only wherever necessary. Further, the Authority has relied upon DGCI&S import data in these findings.
  - e. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties.

Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of a public file.

- f. With regard to the contention of the interested parties that period of investigation should be more than 6 months, the Authority notes that according to recommendation of committee on anti-dumping practices (WTO document no. G/ADP/6 dated 16 May 2000):

*"...the period of data collection for dumping investigations normally should be twelve months, and in any case no less than six months, ending as close to the date of initiation as is practicable"*

Therefore, in view of above recommendation, 6 months period can be taken as the POI. The Authority also notes that the initiation of the present investigation is in no way in violation of Trade Notice No. 2/2004.

- g. As regards the request for retrospective imposition of anti-dumping duty, Section 9A(3) of Customs Tariff Act provides as follows:

*If the Central Government, in respect of the dumped article under inquiry, is of the opinion that*

- (i) *there is a history of dumping which caused injury or that the importer was, or should have been, aware that the exporter practices dumping and that such dumping would cause injury; and*
- (ii) *the injury is caused by massive dumping of an article imported in a relatively short time which in the light of the timing and the volume of imported article dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the anti-dumping duty liable to be levied,*

*the Central Government may, by notification in the Official Gazette, levy anti-dumping duty retrospectively from a date prior to the date of imposition of anti-dumping duty under sub-section (2) but not beyond ninety days from the date of notification under that sub-section, and notwithstanding anything contained in any law for the time being in force, such duty shall be payable at such rate and from such date as may be specified in the notification.*

- h. The Authority would examine the matter concerning retrospective imposition of anti-dumping duty at the stage of the final finding.
- i. The present investigation has been initiated on the basis of prima facie analysis of the information/data furnished by the applicants showing dumping of subject goods from the subject country, injury to the applicants on account of the said dumping and causal link between the two. The contention of the opposing interested parties that the initiation of investigation is bad in law due to misleading data furnished by the applicants and improper evaluation of data by the Authority, the Authority notes that it has prima facie satisfied itself about the accuracy and adequacy of information on the basis of information furnished by the petitioners at the time of initiation.

## E. DUMPING MARGIN

### Market Economy Treatment (MET), Normal Value, Export Price and Dumping Margin

#### **NORMAL VALUE**

27. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

(i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);*

*Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.*

#### **Provisions relating to Non-Market Economy country**

28. Annexure-I to AD rules states as under:

*7. In case of imports from non-market economy country, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other country, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.*

*8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated Authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3)*

*(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated Authority or by the competent Authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country*

*Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated Authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)*

*(3) The designated Authority shall consider in each case the following criteria as to whether:*

*(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;*

*(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;*

*(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and*

*(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.*

*Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated Authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph”.*

#### **Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties**

29. Various submissions made by the interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- a. Applicants have directly constructed normal value without considering the constructed value in China or the price from any other third country to India in violation of Annexure I(7) of the AD Rules. Reliance is placed on the decision of the Apex Court in the case of Shenyang Matsushita S. Battery Co. Ltd. V. Exide Industries Ltd & Others wherein it was held that the Authority is required to construct normal value after sequentially applying the different methods mentioned in Annexure I(7) of the AD Rules.

- b. The petitioners have considered constructed normal value based on the cost of the DI. The cost of most efficient producer should alone be considered based on consistent practice of the Authority.
- c. The Authority has violated Article 5.3 of the ADA by accepting the export price and normal value data for different periods. The Authority has not determined the dumping margins by making comparison between the export price and normal value in respect of sales made at same point of time. Applicants have not disclosed whether the normal value has been determined for the POI period or any other period.

#### **Submissions made by the Domestic industry**

30. Various submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
- a. There is sufficient reason to consider that the producers in China PR are dumping the subject goods.
  - b. None of the Chinese producers can satisfy market economy status. None of the WTO Member country has granted market economy status to Chinese producers on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria.
  - c. Unless the responding Chinese exporters conform to the standards laid down under the Rules, the Designated Authority is required to determine the normal value in accordance with Para 7 of Annexure-I to the Rules.
  - d. None of the producers/exporters from China PR has claimed market economy treatment.
  - e. None of the interested parties has suggested a surrogate country to the Designated Authority. Therefore, there is no merit in the submissions made by the interested parties that the Authority should have proceeded sequentially while determining the normal value for China PR.

#### **Examination by the Authority**

##### **Market Economy claims for Chinese producers**

31. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
32. As per Paragraph 8, Annexure I to the AD Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provides information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and prove to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-
- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values.
  - b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts.
  - c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms.
  - d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.
33. It is noted that none of producers of the subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Accordingly, the Authority is not required to examine any of the above criteria and held that producers/exporters from China PR are not operating under market economy conditions.

#### **Determination of Normal Value**

34. The Authority sent questionnaires to the known exporters/producers from the subject country, advising them to provide information in the form and manner prescribed. The following parties have filed exporter questionnaire responses:
1. Jiangsu Shagang Material Trade Co. Ltd. (Exporter)
  2. B&L Metal (HK) Limited (Exporter)

3. Jinagsu Runzhong High Tech Co. Ltd (Producer)
  4. Zhangjiagang Shajing Steel Co. Ltd. (Producer)
  5. Zhangjiagang Hongxing Gaoxian Co. Ltd (Producer)
  6. Zhangjiagang Rongsheng Steel Making Co. Ltd. (Producer)
  7. Jinagsu Shagang International Trade Co. Ltd. (Exporter)
  8. B&L International Investment Co. Ltd.
  9. Zhangjiagang Hongchang Gaoxian Co. Ltd.(Producer)
  - 10.Zhangjiagang Runzhong Steel Co. Ltd. (Producer)
  - 11.Xinsha International Pte. Ltd. (Exporter)
  - 12.Minmetals Yingkou Medium Plate Co. Ltd. (Producer)
  - 13.Sinomaterial International Co. Ltd. (Exporter)
  - 14.Manuchar Steel Hong Kong Limited Exporter
  - 15.Burwill Resources Limited (Exporter)
  - 16.Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd. (Producer)
  - 17.Genesis Resources Co. Ltd (Hong Kong)
  - 18.Smart Timing Steel Limited (Exporter)
  - 19.Toptip Holding Pte. Ltd. (Exporter)
  - 20.Zenith Steel Group Co. Ltd. (Producer)
  - 21.Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Limited (Exporter)
  - 22.Unisteel International DMCC ( Exporter)
  - 23.Win Faith Trading Limited (Exporter)
  - 24.Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited (Exporter)
  - 25.Benxi Beiyang Iron and Steel Group Imp. And Exp. Corp. Ltd. (Exporter)
  - 26.Benxi Beitai Gaosu steel Wire Rod Co. Ltd. (Producer)
  - 27.Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Limited (Exporter)
  - 28.Jiangyin Xingcheng Alloy Material Co., Ltd (Producer)
  - 29.Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd
35. Further, the following exporters/traders have filed only Appendix-2 and 3A instead of filing the complete questionnaire response.
1. Hong Kong Grand International Co. Ltd.
  2. Hyosung Corporation
  3. Steelco Pacific Trading Limited
  4. Steelforce Far East Ltd.
  5. Tata International Metals (Asia) Limited
  6. Unisteel International DMCC (Separately filed)
36. It is noted that none of producers of subject goods in China PR has claimed market economy treatment. Therefore, in view of the facts placed on record by the domestic industry for the purpose of the provisional findings, the Authority has adopted the constructed normal value for determination of the normal value in terms of Para-7 to Annexure-1 to the Rules.
37. With regard to the contention of interested parties that Authority is required to construct normal value after sequentially applying the different methods mentioned in Annexure I(7) of the AD Rules, Authority notes that none of the interested parties have either suggested a surrogate country to the Designated Authority or provided any credible data in this regard. Therefore, the Authority has constructed the Normal Value on the basis of best available facts as described in the following paragraphs.

38. With regard to contention that Authority has violated Article 5.3 of the ADA by accepting the export price and normal value data for different periods. Authority notes that submission made by the interested parties is devoid of any merit as normal value and export price is determined for POI only.

#### **Methodology for determination of normal value**

39. In view of the above, the normal value for China PR is required to be determined as per the procedure described in Para 7 of the Annexure I to the Anti-dumping Rules. As per the provisions of Para 7 of Annexure I, the normal value in China PR is required to be determined based on domestic selling prices in a market economy third country, or the constructed value in a market economy third country, or the export prices from such a third country to any other country, including India. However, if the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted to include reasonable profit margin.
40. In the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Designated Authority has constructed the normal value for China PR on the basis of price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, to include a reasonable profit margin. Accordingly, the Normal Value for all the exporters from China PR has been provisionally determined and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

#### **EXPORT PRICE**

**M/s Benxi Beita Gaosu Steel Wire Rod Co., Ltd., China PR (Producer) through related traders M/s. Benxi Beiyang Iron and Steel Group Imp. and Exp. Corp. Ltd, China PR, M/s. Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited (Hong Kong) and unrelated traders, M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Limited (Hong Kong), M/s. Win Faith Trading Limited (Hong Kong), M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Limited (Hong Kong) and M/s. Unisteel International DMCC (UAE)**

41. From the response filed by M/s Benxi Beita Gaosu Steel Wire Rod Co., Ltd., China PR (“BBG”), the Authority notes that BBG is the producer of the subject goods. Its related company M/s. Benxi Beiyang Iron and Steel Group Imp. and Exp. Corp. Ltd. (“BBIG”), is acting as exporting agency of BBG and has exported the subject goods to India through another related trading company M/s. Benxi Iron and Steel Hong Kong Limited as well as through unrelated traders, namely, M/s. Hangzhou Cogeneration (Hong Kong) Co. Limited (Hong Kong), M/s. Win Faith Trading Limited (Hong Kong), M/s. Future Materials Industry (Hong Kong) Co. Limited, M/s. Unisteel International DMCC (UAE), M/s. Ningbo CIMEI Import & Export and Manuchar Steel Hong Kong Limited.
42. From the response submitted by BBIG, the Authority notes that it is only acting as export agency for BBG. BBIG has not reported any exports to India in Appendix-2 and has submitted only Appendix-9. Further, BBG in its response has not shown name of the customer as BBIG. Whereas BBIG is entering into contract with buyers and issuing export invoices in its own name. Accordingly, the Authority is unable to understand that how BBIG can issue invoices to buyers for exports to India while acting as an export agency.
43. Further, out of the above mentioned companies, M/s Ningbo CIMEI Import & Export has not filed response and Manuchar Steel Hong Kong Limited has not reported any exports to India manufactured by BBG. Therefore, in view of absence of complete information from BBIG including suppression of facts by trader, the Authority does not accept the response filed by BBG for the purpose of provisional findings. Accordingly, the export price for BBG is based on the facts available with the Authority.

**Jinagsu Runzhong High Tech Co. Ltd, Zhangjiagang Shajing Steel Co. Ltd., Zhangjiagang Hongxing Gaoxian Co. Ltd, Zhangjiagang Rongsheng Steel Making Co. Ltd., Zhangjiagang Hongchang Gaoxian Co. Ltd., and Zhangjiagang Runzhong Steel Co. Ltd. (Producers) exported through related traders Jinagsu Shagang International Trade Co. Ltd., Jiangsu Shagang Material Trade Co. Ltd, Xinsha International Pte. Ltd. and unrelated traders B&L Metal (HK) Limited, B&L International Investment Co. Ltd., Hong Kong Grand International Co. Ltd., Hyosung Corporation, Steelco Pacific Trading Limited, Steelforce Far East Ltd, Tata International Metals (Asia) Limited and Unisteel International DMCC**

44. From the response filed by above companies, the Authority notes that the subject goods were produced by six related companies, namely, M/s. Jinagsu Runzhong High Tech Co. Ltd., Zhangjiagang Shajing Steel Co. Ltd., Zhangjiagang Hongxing Gaoxian Co. Ltd., Zhangjiagang Rongsheng Steel Making Co. Ltd., Zhangjiagang Hongchang Gaoxian Co. Ltd., and Zhangjiagang Runzhong Steel Co. Ltd.
45. The subject goods manufactured by these producers are exported through related traders, namely, M/s. Jinagsu Shagang International Trade Co. Ltd., M/s. Jiangsu Shagang Material Trade Co. Ltd., M/s. Xinsha International Pte. Ltd. and unrelated traders, namely, M/s. B&L Metal (HK) Limited (Hong Kong), B&L International Investment Co. Ltd., M/s. Hong Kong Grand International Co. Ltd., M/s. Hyosung Corporation, M/s. Steelco Pacific Trading Limited, M/s. Steelforce Far East Ltd, M/s. Tata International Metals (Asia) Limited, M/s. Unisteel International

DMCC, Manuchar Steel Hong Kong Limited, M/s. Thyssenkrupp Mannex Asia Pte Ltd, UIL Hong Kong Ltd., Gallop Resources Pte Ltd. M/s. Cumic Steel Limited and M/s. Smart Timing Steel Limited.

46. Out of the above mentioned companies, M/s. Thyssenkrupp Mannex Asia Pte Ltd, UIL Hong Kong Ltd. Gallop Resources Pte Ltd. and Cumic Steel Limited have not filed any response. In addition, M/s. Smart Timing Steel Limited and Manuchar Steel Hong Kong Limited have not reported exports to India manufactured by these producers. Further, the responses filed by M/s. Hong Kong Grand International Co. Ltd., M/s. Hyosung Corporation, M/s. Steelco Pacific Trading Limited, M/s. Steelforce Far East Ltd, M/s. Tata International Metals (Asia) Limited are grossly incomplete. These traders have submitted only Appendix-2 and 3A and no other information has been provided by these traders. Filing of EQR is not an empty formality to be fulfilled by filing only very selected information as per the convenience of the exporters.
47. Further, none of the producers has submitted the information relating to exports to India in Appendix-2. In the absence of information in Appendix-2 from the producers it is not possible to ascertain the ex-factory export price to India.
48. In view of the aforesaid reasons, the Authority provisionally rejects the responses filed by these companies. Accordingly, the export price for M/s. Jinagsu Runzhong High Tech Co. Ltd, Zhangjiagang Shajing Steel Co. Ltd., Zhangjiagang Hongxing Gaoxian Co. Ltd, Zhangjiagang Rongsheng Steel Making Co. Ltd., Zhangjiagang Hongchang Gaoxian Co. Ltd and Zhangjiagang Runzhong Steel Co. Ltd. is based on the facts available with the Authority.

**Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd. (Producer) exported through M/s. Sinomaterial International Co. Ltd., M/s. Manuchar Steel Hong Kong Limited and M/s. Burwill Resources Limited**

49. From the response filed by the producers and exporters, the Authority notes that the subject goods were produced by Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd and exported through unrelated traders, namely, M/s. Sinomaterial International Co. Ltd., M/s. Manuchar Steel Hong Kong Limited, Burwill Resources Limited, Smart Timing Steel Limited, Metal One (Shanghai) Corporation, Navex Asia Limited, Wa Trading Co., Limited., Tewoo Metal (H.K.) Limited, Tata International Metals (Asia) Limited and Steelforce Far East Ltd.
50. Out of the above mentioned companies, Metal One (Shanghai) Corporation, Navex Asia Limited, Wa Trading Co., Limited, Tewoo Metal (H.K.) Limited, Tata International Metals (Asia) Limited and Steelforce Far East Ltd have not filed response. Further, M/s. Smart Timing Steel Limited has not reported exports to India manufactured by Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd. Further, quantity of exports to India reported by M/s. Burwill Resources Limited and Sinomaterial International Co. Ltd is not matching with the quantity reported by Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd.
51. Therefore, in view of the aforesaid reasons including suppression of facts, the Authority provisionally rejects the responses filed by these companies. Accordingly, the export price for Jiangsu Yonggang Group Co. Ltd is based on the facts available with the Authority.

**Zenith Steel Group Co. Ltd. (Producer), Genesis Resources Co. Ltd (Hong Kong) Smart Timing Steel Limited (Hong Kong) (Exporter), Toptip Holding Pte. Ltd. (Exporter)**

52. From the response filed by the producer M/s. Zenith Steel Group Co. Ltd, the Authority notes that the producer has exported the subject goods to India through Genesis Resources Co. Ltd (Hong Kong), Toptip Holding Pte. Ltd. (Singapore) and Win Faith Trading Limited, China PR. Win Faith Trading Limited, China PR has not cooperated with the Authority. Toptip Holding Pte. Ltd has further resold the entire quantity to another trader M/s. Cargill International Trading Co., Singapore who has not filed any response. Genesis Resources Co. Ltd (Hong Kong) has sold the subject goods to Smart Timing Steel Limited (Hong Kong) who in turn resold the subject goods to DHAMM SK A, Switzerland, which also failed to cooperate with the Authority.
53. Therefore, in view of non-cooperation by traders/exporters exporting significantly large quantities, the Authority does not accept the response filed by these companies for the purpose of provisional finding. Accordingly, the export price for Zenith Steel Group Co. Ltd is based on the facts available with the Authority.

**Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd. (Producer cum Exporter)**

54. From the response filed by Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd. (“MYMP”), the Authority notes that MYMP has exported the subject goods directly to India during the POI.
55. The sales to Indian customers are on CFR basis. MYMP has claimed adjustments on account of inland freight, port charges, ocean freight and bank charges and the same have been allowed provisionally. The Authority has made further adjustment on account of non-refundable VAT provisionally. Accordingly, the provisional weighted average export price has been determined for MYMP at ex-factory level and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Jiangyin Xingcheng Alloy Material Co., Ltd (Producer) exported through Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd**

56. From the response filed by the producer and exporter, the Authority notes that subject goods were produced by Jiangyin Xingcheng Alloy Material Co., Ltd (“JXAM”) and exported through related trading company Jiangyin Xingcheng Special Steel Works Co., Ltd (“JXSS”). The Authority notes that JXAM has not submitted the information relating to exports to India in Appendix-2. In the absence of information in Appendix-2 from the producer it is not possible to ascertain the ex-factory export price to India.
57. Therefore, in view of absence of complete information from JXAM with regard to ex-factory export price, the Authority does not accept the response filed by JXAM for the purpose of the provisional findings. Accordingly, the export price for JXAM is based on the facts available with the Authority.

**Export Price for non-cooperating producers and exporters**

58. The Authority notes that no other producer/exporter from China PR has responded to the Authority in the present investigation. For all the non-cooperative producers/exporters in China PR, the Authority has determined the provisional weighted average export price for Wire Rods on the basis of best available information and the same is shown in the Dumping Margin Table below.

**Dumping Margin**

59. The export price to India (net of all the adjustments claimed by the exporters and accepted by the Authority) has been compared with the normal value to determine the dumping margin. The dumping margin during the POI for all the cooperating exporters/producers from the subject country has been determined as shown in the Dumping Margin table below.

**Dumping Margin Table**

S. No	Country	Producer	Exporter	Normal Value	Net Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin %	Dumping Margin Range %
1.	China PR	Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd.	Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd.	***	***	***	***	35-45
2.	China PR	Others	Others	***	***	***	***	100-110

60. It is seen that the dumping margins in respect of exports made by all the producers-exporters of the product under consideration from subject country are quite significant and more than the limits prescribed under the Rules.

**F. INJURY**

**Submissions made by importers, exporters, users and user associations**

61. The submissions made by the opposing interested parties with regard to injury related issues and considered relevant by the Authority are as follows:
  - a. The injury, if any, to the DI is caused by factors including decline in export performance, increased interest costs, increased cost of sales per unit etc. Production capacity of the domestic producers has not increased in line with domestic demand. Demand of the subject goods increased from 100 index units in 2012-13 to 160 points in POI (Annualised).
  - b. JSW's Karnataka plant was closed during the POI (Q2) for which no disclosure has been made in the petition. The Authority should provide revised injury information after making adjustments for the closure of Karnataka plant. The DI has expanded its capacity and production of the DI has significantly improved from the base year. Thus there is no adverse impact on these factors.
  - c. There is no adverse impact on profitability due to alleged imports. The profits of the DI have declined due to rise in per unit cost of interest from 100 points in 2012-13 to 177 point in the POI. Moreover, the negative price undercutting shows that the landed price of imports are not affecting the domestic prices.
  - d. The injury to the Applicants is on account of decline in export performance, high interest costs and increased per unit costs. The demand of the subject goods has increased from 100 index points in 2012-13 to 160 index points in POI (A). However, the production capacity of the domestic producers has not increased in line with the domestic demand. The increase in imports is only to bridge the demand-supply gap.

**Submissions made by the Domestic Industry**

62. The following are the submissions with regard to injury related issues made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:
- a. Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation. Imports of the PUC from the subject country have increased in absolute terms.
  - b. Imports of the subject goods have increased relative to production and also relative to consumption in India as well in absolute terms.
  - c. Market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. This is due to the reason that the imports have aggressively captured the increase in demand, while the market share of imports from subject country sharply increased from 2012-13 to POI (A).
  - d. The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
  - e. Inventories of the Domestic Industry have been on the rise as the Domestic Industry has not been able to increase its sales despite increase in demand. Imports have been aggressively capturing the demand in India.
  - f. There is significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming into India.
  - g. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. The return on capital employed, net profits and cash profits have followed a negative trend during the entire injury period and the losses have further aggravated during the POI.
  - h. The export performance of the Domestic Industry in no way has affected its financial and economic situation. Also, the petitioners have ignored the information related to exports while examining the injury parameters and entire injury analysis is based only on domestic performance of petitioners.
  - i. The analysis overwhelmingly indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.
  - j. At the time of placing orders with the domestic industry, the customers insist that the Domestic Industry must match the price with the offer given by the foreign producer during the same month, though the offer given by a foreign supplier would be delivered only after 2 months. Therefore, the proper comparison for price undercutting should be between the domestic sales realisation with two months lag. If the Authority takes into account this time lag issue, price undercutting would be evident.
  - k. It is also pertinent to note that during the recent periods, the landed value of imports of the subject goods have declined much more than the decline in raw material prices. Further, it should be noted that imports have come at grossly low prices and the domestic industry has been forced to match such low prices, to the extent that their prices have gone below the cost of production of the domestic industry.
  - l. Interested parties have submitted that injury being suffered by the domestic industry is due to their own internal factors such as high fixed cost burden and underutilized capacities. These claims are very general and without any facts and figures to support. The fact that injury has been caused due to dumped imports of the subject goods in India has already been established. The domestic industry has been in existence since many years and has been doing well in the past.

**Examination by the Authority**

63. The submissions made by the domestic industry and other interested parties during the course of investigation with regard to injury and causal link and considered relevant by the Authority are examined and addressed as below:
- a. The Authority notes that landed value of imports of the subject goods from the subject country has declined drastically and the domestic industry has been forced to match such low prices causing material injury to domestic industry.
  - b. With regard to the export performance of the domestic industry, the Authority notes that entire injury analysis is based only on the domestic performance of the petitioners.
  - c. The Authority has further analysed the contention of the interested parties that injury being suffered by the domestic industry is due to their own internal factors including high fixed cost burden and underutilized capacities. These claims are very vague and without any specific facts and figures to support. The fact that injury has been caused due to the dumped imports of the subject goods in India has been established in the succeeding paragraphs. The domestic industry has been in existence since many years and has been doing well in the past. Infrastructure and capacities are in place with the domestic industry to meet the demand of the subject goods. Had these factors impacted the performance of domestic industry, the domestic industry should not be earning profits in previous years.

64. Rule 11 of AD Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules.

#### **Volume Effect of Dumped Imports and Impact on Domestic Industry**

##### **Assessment of Demand**

65. The demand/apparent consumption of the subject goods has been determined by adding domestic sales of Indian producers of like product and imports of the subject goods from all the countries. For the purpose of present injury analysis, the Authority has relied upon the import data procured from DGCI&S. The Authority notes that demand/apparent consumption of the subject goods increased significantly over the injury period as shown in the table below:

Particulars (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Total dumped imports from subject country	1,60,582	1,16,366	7,70,493	8,27,721	4,95,732	9,91,463
Imports from other countries	2,03,688	71,595	1,00,927	1,06,142	53,835	1,07,670
Total imports	3,64,270	1,87,961	8,71,420	9,33,863	5,49,567	10,99,134
Domestic sales of petitioners	11,55,858	12,26,631	10,83,019	15,03,914	7,83,210	15,66,421
Domestic sales of supporters	6,21,818	6,22,535	6,63,185	7,07,817	3,63,094	7,26,188
Domestic sale of other producers	8,57,162	11,97,536	10,53,228	13,54,427	6,77,523	13,55,046
Total Demand/Apparent consumption	29,99,108	32,34,663	36,70,852	45,00,021	23,73,394	47,46,789

##### **Import Volumes and Share of the Subject Country**

66. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. The volume effect of dumped imports of the subject goods from the subject country is analyzed as under:

Particulars (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Dumped imports from subject country	1,60,582	1,16,366	7,70,493	8,27,721	4,95,732	9,91,463
Trend	100	72	480	515	309	617
Imports from other countries	2,03,688	71,595	1,00,927	1,06,142	53,835	1,07,670
Trend	100	35	50	52	26	53
Total Imports	3,64,270	1,87,961	8,71,420	9,33,863	5,49,567	10,99,134
Trend	100	52	239	256	151	302
Total Demand/Apparent consumption	29,99,108	32,34,663	36,70,852	45,00,021	23,73,394	47,46,789
Trend	100	108	122	150	79	158
Dumped imports from Subject Country relative to consumption	5%	4%	21%	18%	21%	21%

Particulars (in MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Production of Petitioners	14,75,041	16,09,279	15,03,065	17,80,457	9,03,013	18,06,025
Dumped imports from Subject Country relative to petitioners' total production	11%	7%	51%	46%	55%	55%

67. The Authority notes as under from the above table:

- a) Imports of the subject goods from China PR have increased in absolute terms from 1,60,582 MT in 2012-13 to 9,91,463 MT in POI (A).
- b) Imports of the subject goods from China PR have increased in relation to petitioners' production from 11% in 2012-13 to 55 % in POI (A).
- c) Imports of subject goods from China PR have increased in relation to consumption in India from 5% in 2012-13 to 21% in POI (A).

68. It is, thus, concluded that the imports of the PUC from the subject country have increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India.

#### **Price Effect of the Dumped Imports on the Domestic Industry**

69. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

*"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."*

70. It has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact of dumped imports on the prices of the domestic industry has been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

#### **Price Undercutting**

71. In order to determine whether the imports are undercutting the prices of the domestic industry in the market, the Authority has compared landed price of imports with net sales realization of the domestic industry. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product and the average selling price of the domestic industry net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex-factory level. The domestic prices and margin of undercutting is shown as per the table below:

Particulars	Amount (INR / MT)
Landed Value	***
Domestic Selling Price	***
Price undercutting	(***)
Price undercutting as % of Landed Value	(***)
Price Undercutting Range %	(5)-5

72. The Authority notes that the price undercutting is negative but is also of the opinion that for a proper examination, the price undercutting should be examined in conjunction with price depression and price suppression and that price undercutting should not be examined in isolation in a situation where the Domestic Industry has been constantly forced to reduce its prices to match with the landed value of imports. If the Domestic Industry does not respond to imports by bringing down its prices, it will lose more customers and the injury would be more severe.

### **Price Underselling**

73. The Authority has also examined the price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. For this purpose, the NIP determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports. Comparison of weighted average NIP of the domestic industry with weighted average landed price of imports shows as follows:

Particulars	UOM	Amount
Non injurious price	Rs/MT	***
Landed Price	Rs/MT	***
Price Underselling	Rs/MT	***
Price Underselling	%	***
Price Underselling	% Range	25-35

74. It is seen that the landed price of the subject goods from the subject country was significantly lower than the NIP determined for the domestic industry.

### **Price Suppression/Depression**

75. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period. The position is shown in the table below:

Particulars (Rs. per MT)	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015	POI (July 2015- Dec 15)
Cost to make and sell	***	***	***	***	***
Trend	100	98	101	91	87
Domestic Selling Price	***	***	***	***	***
Trend	100	96	98	75	72
Landed Value	***	***	***	***	***
Trend	100	98	89	74	73

76. It is noted that decline in the domestic selling price is much higher than the decline in the cost of sales. The domestic selling prices of domestic industry have reduced significantly to match the landed value of dumped imports from subject country. The imports were thus suppressing the prices of the domestic industry in the market.

### **Economic parameters of the domestic industry**

77. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of the performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

### **Production, Capacity Utilization and Sales**

78. The performance of the domestic industry with regard to production, domestic sales, capacity & capacity utilization was as follows:

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Installed Capacity (MT)	1,833,660	2,452,140	2,599,022	2,746,936	1,372,404	2,744,809
Total production (MT)	1,475,041	1,609,279	1,503,065	1,780,457	903,013	1,806,025
Capacity Utilization	80%	66%	58%	65%	66%	66%
Domestic Sales	1,155,858	1,226,631	1,083,019	1,503,914	783,210	1,566,421

- a. The Authority notes that the domestic production of the subject goods have increased from 1,475,041 MT in 2012-13 to 1,806,025 MT during the POI (A) and the installed capacity has increased from 1,833,660 MT to 2,744,809 MT during the same period.
- b. Capacity utilization of the domestic industry has shown a considerable decline. The domestic industry has been able to achieve a best capacity utilization of 80% during 2012-13. However, this came down to 66% during the POI because of the significant increase in dumped imports from the subject country.

#### **Profits, profitability, return on investment and cash profits**

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015- Dec 15)	POI (A)
Profit (Rs. In crores)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	63	44	(211)	(112)	(224)
Profit (Rs./MT)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	59	47	(162)	(165)	(165)
Cash Profits (Rs. crores)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	73	57	(148)	(79)	(158)
Cash Profit (Rs./MT)	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	69	61	(114)	(117)	(117)
ROCE %	***	***	***	(***)	(***)	(***)
Trend	100	73	79	(54)	(30)	(60)

79. The Authority notes the following from the above table:

- a. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected due to dumping of subject goods from subject country. It can be seen from the above table that domestic industry was earning decent returns till 2014-15.
- b. However, due to severe dumping from subject country during POI, domestic industry has not been able to recover its cost of sales leave aside earning a reasonable return on capital employed.
- c. It is therefore concluded that the dumped imports have severely affected the profitability of the domestic industry.

#### **Market Share**

80. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined as below:

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Demand (MT)	29,99,108	32,34,663	36,70,852	45,00,021	23,73,394	47,46,789
Indexed	100	108	122	150	79	158
Market Share						
Share of Petitioners	39%	38%	30%	33%	33%	33%
Share of Supporters	21%	19%	18%	16%	15%	15%
Share of Other Producers	29%	37%	29%	30%	29%	29%
Share of Subject country	5%	4%	21%	18%	21%	21%

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	April 2015-Dec 2015 (A)	POI (Jul 2015-Dec 15)	POI (A)
Share of Other countries	7%	2%	3%	2%	2%	2%

81. From above table, the Authority observes that market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. Further, the Authority notes that the market share of the imports from the subject country has increased over the injury period. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand.
82. The domestic industry has not been able to increase the sales of the PUC commensurate with the increase in demand because of the significant volume of dumped imports coming from the subject country.

#### Inventories

Particulars	2012-13	2013-14	2014-15	POI (Jul 2015- Dec 15)
Average Inventory (MT)	63,650	62,871	77,271	118,979
Trend (Indexed)	100	99	121	187

83. The Authority notes that the Domestic Industry is facing significant accumulated inventories. The levels of inventories have been increasing as compared to the base year. Due to increasing imports, the market share of the Domestic Industry has come down and the increased demand has been significantly captured by imports. As a result, the Domestic Industry is unable to increase its production and sales which is leading to a situation of inventory accumulation over the injury period.

#### Growth

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	POI(A)
Cost of Production	%	-2%	3%	-14%
Selling Price	%	-4%	2%	-27%
Profit/ Loss per unit	%	-41%	-20%	-448%
Return on Capital Employed	%	-27%	9%	-176%

84. The Authority notes that growth of the domestic industry with regard to capacity utilization, profits, return on investment, cash profits has been negative.

#### Ability to raise capital investments

85. The Authority notes that given the rising demand of the product in the country, the domestic industry has made significant investments in plant and machinery. However, despite these investments, the performance of the domestic industry has deteriorated considerably and further investment may get adversely affected.

#### Level of dumping & dumping margin

86. It is noted that the imports from the subject country are entering the Indian market at dumped prices and that the margins of dumping are significant.

#### Factors Affecting Domestic Prices

87. The examination of the import prices from the subject country, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc. shows that the landed value of the imported material from the subject country is below the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price under selling in the Indian market. Thus, the factor affecting the domestic prices is landed value of the subject goods from the subject country.

#### Conclusion on injury

88. It is thus seen that there has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject country in absolute terms. The imports have increased significantly in relation to consumption and production of the product in India. Imports have thus increased both in absolute terms and in relation to production and consumption in India. Dumped imports have had significant adverse price effect in terms of price suppression and depression. Effect of dumped imports has been to reduce the domestic prices of the subject goods. Low priced dumped imports have forced the domestic industry to fetch a market price which could not even cover its cost. The domestic industry is suffering significant price underselling. There exists significant price depression and suppression due to low priced dumped imports coming in India. The dumping margin determined by the Authority is quite significant. With regard to consequent impact of dumped imports on the domestic industry, it is noted that dumped imports from the

subject country have adversely impacted the performance of the domestic industry in respect of capacity utilization, inventories, market share, profits, cash profits and return on investment. Inventories with the domestic industry have increased. The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses. Thus, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury.

#### **Causal Link**

89. The Authority has examined whether other factors listed under the Anti-dumping Rules could have contributed to injury to the domestic industry. The examination of causal link between dumping and material injury to the domestic industry has been done as follows:

#### **Imports from third countries**

90. The imports from the countries other than the subject country are not significant in volume terms so as to cause or threaten to cause injury to the domestic industry. Moreover, the prices at which goods are coming from the other countries are much higher than the prices at which goods are coming from the subject country.

#### **Contraction in demand**

91. The demand for the subject goods has shown an increasing trend. Accordingly, fall in demand cannot be the reason for injury to the domestic industry. In fact, the domestic industry has not been able to increase its sale and market share commensurate to increase in demand.

#### **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

92. The Authority notes that there is no trade restrictive practice which could have contributed to the injury to the domestic industry.

#### **Developments in technology**

93. The technology for production of the product concerned has not undergone any change. Thus, developments in technology cannot be regarded as a factor causing injury to the domestic industry.

#### **Changes in pattern of consumption**

94. The domestic industry is producing the type of goods that have been imported into India. Possible changes in the pattern of consumption are not a factor that could have caused injury to the domestic industry.

#### **Export performance**

95. Claimed injury to the domestic industry is not on account of possible significant deterioration in export performance of the domestic industry. In fact, the exports by the domestic industry have not materially declined. In any case, the Authority has considered domestic performance only for assessing injury to domestic industry wherever possible.

#### **Performance of the domestic industry with respect to other products**

96. The Authority notes that the performance of other products being produced and sold by the domestic industry has not affected the assessment made by the Authority of the domestic industry's performance. The information considered by the Authority is with respect to the product under consideration only.

#### **Productivity of the domestic industry**

97. The Authority notes that the deterioration in productivity has not caused injury to the domestic industry.

#### **Factors establishing causal link**

98. The analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from the subject country. Causal link between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

- Imports of the subject goods have increased in absolute terms over the entire period of investigation.
- Imports of the subject goods have increased relative to production and consumption in India.
- Market share of the Domestic Industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India. This is due to the reason that imports have aggressively captured the increase in demand.
- The Domestic Industry has not been able to increase its production and sales commensurate with the increase in demand.
- Inventories of the Domestic Industry have been on the rise as the Domestic Industry has not been able to increase its sales despite increase in demand. Imports have been aggressively capturing the demand in India.

- There is significant price suppression and depression due to low priced dumped imports coming in to India.
  - The Domestic Industry's profitability and return on capital employed have been drastically affected. This is evident from the fact that the domestic industry was earning decent profits and return on capital employed till 2014-15. However, during the POI, the profits and returns have turned into losses.
99. The above analysis indicates that the Domestic Industry is suffering material injury due to increasing dumped imports of the PUC into India. There exists a strong nexus between the increase in dumped imports of the subject goods and the material injury being suffered by the Domestic Industry.

#### **Conclusion on Injury and Causation**

100. From the above examination of injury and causal link, the Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered injury as a result of dumping of the subject goods from the subject country. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from the subject country in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in India. The dumped imports have had significant adverse effect on the prices of the domestic industry in the market. The dumping margin for the subject country has been determined and is considered significant. Dumped imports from the subject country have adversely impacted production, sales and capacity utilization. Market share of the domestic industry has significantly declined whereas that of subject imports has significantly increased. Performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on investments. Inventories have increased. The Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury as a result of dumped imports from the subject country.
101. The Authority has determined the non-injurious price for the domestic industry and compared with the landed values of the subject imports of the responding exporters to determine the injury margin. The landed value to India in respect of other producers and exporters in the subject country has been determined on the basis of the best available information. The injury margins have been determined as follows:

#### **Injury Margin**

Sl. No.	Country	Producer	Exporter	NIP	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin %	Injury Margin Range %
1.	China PR	Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd.	Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd.	***	***	***	***	35-45
2.	China PR	All Others	All Others	***	***	***	***	60-70

102. The level of dumping margins and injury margins as determined are considered significant.

#### **G. Indian industry's interest & other issues**

103. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.
104. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. The domestic industry submitted that imposition of proposed duty shall have insignificant cost implications for the consumer. Therefore, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

#### **H. Recommendations**

105. After examining the submissions made and issues raised, and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:
- (a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below the normal value.

- (b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from the subject country.
- (c) The injury has been caused by the dumped imports of the subject goods from the subject country.
106. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-Dumping Rules and having established a positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional anti-dumping duty is necessary to offset dumping and injury.
107. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duties on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, as the difference between the landed value of the subject goods and the amount indicated in Col 8 of the duty table appended below, provided the landed value is less than the value indicated in Col 8. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

#### Duty Tables

Sl. No.	Heading/ Sub heading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	7213 and 7227	Bars and rods, hot-rolled, in irregularly wound coils, of iron or non-alloy steel or alloy steel, excluding (i) bars and rods containing indentations, ribs, grooves or other deformations produced during the rolling process falling under tariff item 72131090 (commonly known as rebars or TMT bars), (ii) bars and rods of stainless steel falling under tariff heading 7221 and (iii) bars and rods of high speed steel falling under tariff heading 72271000.	China PR	China PR	Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd.	Minmetals Yingkou Medium Plate Co., Ltd.	499	MT	US\$
2.	- do -	- do -	China PR	China PR	Any combination other than at S. No.1		538	MT	US\$
3.	- do -	- do -	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	538	MT	US\$
4.	- do -	- do -	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	538	MT	US\$

**I. FURTHER PROCEDURE**

108. The procedure as below would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- a. The Authority invites comments on these provisional findings from all the interested parties and the same, considered relevant by the Authority, would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, the applicants and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views known, within forty days from the date of the publication of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings.
- c. The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary.
- d. The Authority would disclose the essential facts as per the Anti-dumping Rules before announcing the final findings.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority